हकेवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित ह्विश्वसंस्कृतसप्ताहह्व का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृतसंभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीपप्रज्वलन करते हुए विश्वसंस्कृतसप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है ।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होनें एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अन्त में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृतभारती के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तथा संस्कृत, योग, हिन्दी व अन्य विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।

आयोजन

हेकेंवि महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन किया

संस्कृत को जोड़कर शोध करने पर बल दिया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन किया गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी।

संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञान राशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

समापन में उपस्थित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि, शिक्षक व प्रतिभा। स्रोत: हकेंविवि

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है। संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एक साथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्र पाठ, गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया। समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा, अर्चना, डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर, संस्कृत भारती के प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली, भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, रामसिंह गुर्जर, बिल्लू मेघनवास, भवानी शर्मा मौजूद रहे।

हकेवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'विश्व संस्कृत सप्ताह' का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्न मंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अन्त में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया। इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृत भारती के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हकेवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का हुआ समापन

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'विश्वसंस्कृतसप्ताह' का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृतसंभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीपप्रज्वलन करते हुए विश्वसंस्कृतसप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है ।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होनें एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अन्त में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया। इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृतभारती के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तथा संस्कृत, योग, हिन्दी व अन्य विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।

हरियाणा केंद्रीय विवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीपप्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है ।

विश्व संस्कृत सप्ताह में शामिल हुए प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि● सौजन्यः हकेंवि प्रवक्ता

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी । कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डा. देवेंद्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया व अंत में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डा. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

हकेंवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

'भारत के विश्वगुरु बनने में संस्कृत आवश्यक'

महेंद्रगढ़, 3 सितंबर (हम)

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ में संस्कृत विभाग व संस्कृतभारती के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'विश्व संस्कृत सप्ताह' का समापन हो गया। इस संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्त्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया।

इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होनें एकसाथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी ।

मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 04 September 2023
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन हो गया। इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत भाषण, प्रश्नमंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञानराशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया। इसी क्रम में विशिष्टा तिथि प्रो. यशवीर सिंह ने बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है।

हकेंवि में विश्व संस्कृत सप्ताह का समापन

भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृतः आचार्या सुकामा

संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए सिद्ध हो रहा लाभकारी

संस्कृत सप्ताह के समापन में उपस्थित समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि, शिक्षक व प्रतिभागियों के साथ।

महेंद्रगढ़, 3 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विश्व संस्कृत सप्ताह' का समापन हो गया।

इस विश्व संस्कृत सप्ताह में संस्कृत संभाषण, प्रश्न मंच आदि विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समापन समारोह में दीप प्रज्वलन करते हुए विश्व संस्कृत सप्ताह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा संस्कृत भाषा के महत्व से सभी को अवगत कराया।

विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में संस्कृत में निहित ज्ञान राशि को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शोध करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पाणिनीय व्याकरण का संगणकीय दृष्टि से अध्ययन करना महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की मुख्यातिथि पद्मश्री आचार्या सुकामा ने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा में निहित नैतिक-मूल्यों को बताते हुए भारत के विश्वगुरु होने का आधार संस्कृत को बताया तथा भविष्य में भी भारत के विश्वगुरु होने के लिए संस्कृत को आवश्यक बताया।

इसी क्रम में विशिष्टातिथि प्रो. यशवीर सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान से अब पूरा विश्व परिचित है और जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के नारे को सशक्त करने में संस्कृत की मुख्य भूमिका है तथा संस्कृत में निहित ज्ञान वर्तमान में भी संसार के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एक साथ मिलकर सभी को संस्कृत के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मनोरम बनाया समारोह

कार्यक्रम में मंच संचालन विभागीय शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजिका संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. सुमन रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के छात्रों द्वारा नृत्य, स्तोत्रपाठ व गीत-गायन आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को मनोरम बनाया।

इस समापन समारोह में संस्कृत विभाग के शिक्षक सुमित शर्मा व अर्चना तथा अन्य विभागों से डॉ. अजयपाल, डॉ. नवीन, डॉ. नीलम, डॉ. खैराज, डॉ. कमलेश, डॉ. सिद्धार्थ शंकर एवं संस्कृत भारती के प्रांत सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा बुचौली इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे तथा संस्कृत, योग, हिन्दी व अन्य विभागों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भी समारोह में हिस्सा लिया।

हकेंवि में होगी एमफार्म फार्माकोलॉजी की पढ़ाई

इस पाठ्यक्रम को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से मिली मंजूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में अब एमफार्म फार्माकोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। यह पाठ्यक्रम (फार्माकोलॉजी) फार्मेसी के ऐसे स्नातकों के लिए होगा जो इस क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में पहले से ही एमफार्म पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

इसी क्रम में अब विश्वविद्यालय में एमफार्म फार्माकोलॉजी कार्यक्रम को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा मंजूरी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए पाठ्यक्रम की शुरुआत पर कहा कि दवा खोज के क्षेत्र में विशेषज्ञों और पेशेवरों की मांग को ध्यान में रखते हुए, दवा खोज और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता में यह पाठ्यक्रम अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह कार्यक्रम फार्मास्युटिकल उद्योगों और नैदानिक अनुसंधान संगठनों में प्रशिक्षित युवाओं की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मददगार होगा। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन और डीन रिसर्च प्रोफेसर नीलम सांगवान ने भी सराहना की।

विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा प्राप्त अनुमोदन के अनुसार, 2023-24 से कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त हो गया है। फार्मास्युटिकल साइंसेज के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए विभाग के पास पर्याप्त सुविधाएं और बुनियादी ढांचा है। उन्होंने कहा कि सत्र 2023-24 के लिए इस कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया ओपन काउंसलिंग के माध्यम से जल्द शुरू की जाएगी। प्रवेश के लिए अधिसूचना हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। इस उपलब्धि पर डॉ. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और प्रो. नीलम सांगवान के प्रति विशेष रूप से उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने इस पाठ्यक्रम के संचालन हेतु सहयोग करने वाले विभाग के शिक्षकों के योगदान की सराहना की।

हकेंवि में होगी एमफार्मा फार्माकोलाजी की पढ़ाई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अब एमफार्म फार्माकोलाजी की भी पढ़ाई होगी। यह पाठ्यक्रम (फार्माकोलाजी) फार्मेसी के ऐसे स्नातकों के लिए होगा जो इस क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में पहले से ही एम.फार्म पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में अब विश्वविद्यालय में एमफार्म फार्माकोलाजी कार्यक्रम को फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया (पीसीआइ) द्वारा मंजूरी दे दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस नए पाठ्यक्रम की शुरुआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि दवा खोज के क्षेत्र में विशेषज्ञों और पेशेवरों की मांग को ध्यान में रखते हुए, दवा खोज और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता में यह पाठ्यक्रम अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह कार्यक्रम फार्मास्युटिकल उद्योगों और नैदानिक अनुसंधान संगठनों में प्रशिक्षित युवाओं की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मददगार होगा। स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन और डीन, रिसर्च प्रोफेसर नीलम सांगवान ने भी इस उपलब्धि के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के संकायों को बधाई दी।

- **एमफार्मा फार्माकोलाजी पाठ्यक्रम को फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया से मिली मंजूरी**

प्रो. टंकेश्वर कुमार

- **कहा, दवा खोज के क्षेत्र में विशेषज्ञों और पेशेवरों की मांग**

विश्वविद्यालय को फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया द्वारा प्राप्त अनुमोदन के अनुसार, 2023-24 से कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त हो गया है। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए विभाग के पास पर्याप्त सुविधाएं और बुनियादी ढांचा है। उन्होंने कहा कि सत्र 2023-24 के लिए इस कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया ओपन काउंसलिंग के माध्यम से जल्द शुरू की जाएगी। प्रवेश के लिए अधिसूचना हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

इस उपलब्धि पर डा. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और प्रो. नीलम सांगवान के प्रति विशेष रूप से उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने इस पाठ्यक्रम के संचालन हेतु सहयोग करने वाले विभाग के शिक्षकों के योगदान की सराहना की।

हकेंवि में होगी एमफार्म फार्माकोलॉजी की पढ़ाई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अब एमफार्म फार्माकोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। यह पाठ्यक्रम (फार्माकोलॉजी) फार्मेसी के ऐसे स्नातकों के लिए होगा, जो इस क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में पहले से ही एमफार्म पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इससे छात्रों को फायदा मिलेगा।

M. PHARM. (PHARMACOLOGY) COURSE OF CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA GOT APPROVAL FROM PHARMACY COUNCIL OF INDIA, NEW DELHI

MAHENDERGARH :The Department of Pharmaceutical Sciences, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh will now offer the new flagship programme named as M. Pharm. (Pharmacology) for the Pharmacy Graduates who wish to build a future in the field of Pharmacology. The Department of Pharmaceutical Sciences under the School of Interdisciplinary and Applied Sciences of the University is already running M. Pharm. (Pharmacognosy) programme duly approved by Pharmacy Council of India (PCI). The Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar described this course important for the availability of trained youth in the field of Drug discovery and research, keeping in view the demand for specialists and professionals in the field of drug discovery.

REAFFIRMING TEACHER'S ROLE THROUGH NEP-2020OF GODS

Sanjiv Kumar
Professor of English & Dean Academic, Central University of Haryana

National Education Policy-2020 has reaffirmed the role of teacher as the fulcrum of desired transformations. Starting with the vision of developing an equitable and just society to empowering the nation to face new set of challenges posed by the 'new world order' and global ecosystem, the teacher remains the catalyst of change. The lofty ideals envisaged in the policy including universal access to holistic quality education, life-long learning opportunities for all, constructive revamping of aspirational goals of 21st century education and regaining the status of Visva-Guru in true sense of the word, shall see the light of the day with active participation of teaching community not only as the disseminator of knowledge but also as the most vital stakeholder to develop high-level foundational, creative, cognitive, social, ethical and emotional capacities among individual learners. The NEP-2020 rightly commemorates widely hailed great Indian tradition and classical scholars such as Charaka, Susruta, Aryabhata, Varahamihira, Bhaskaracharya, Brahmagupta, Chanakya, Chakrapani Datta, Madhava, Panini, Patanjali, Nagarjuna, Gautama, Pingala, Sankardev, Maitreyi, Gargi, Thiruvalluvar and numerous others who made phenomenal contribution in diverse areas of knowledge, and exhorts the teachers to hasten the fundamental reforms visualised in the policy. Taking clues from the ancient Indian scholars, it expects the teachers to be well-versed not only in the latest pedagogical advances but also in Indian values, cultures, languages, knowledge system, ethos and indigenous folk traditions. It reposes great amount of trust in the teacher as a revered member of the society endowed with immense potential to truly shape the progeny of the nation. Similarly, the guiding principles of the Policy accord enormous priority to identifying and fostering the unique capabilities of each student, flexibility in learning, multidisciplinary and a holistic education across disciplines, ethical and constitutional values, promotion of multilingualism, continuous formative assessment, extensive use of technology, respect for diversity and local context, and humanitarian and spiritual aspects which make the role of a teacher arduous and challenging. The Policy puts teachers at the core of the learning process and underlines the importance of empowering strategies to orient them for the revived aspirations of the learners and the policy makers through minimum 50 hours of continuous professional development opportunities every year. Besides, teachers have been assured of more autonomy and freedom in pedagogical and curricular aspects. The new education policy reiterates the principle of reinforcement, recognition and rewards for the teachers devising and adopting novel approaches to teaching for improved learning outcomes. It recommends rise in salary and other incentives to the teachers doing outstanding work. Acknowledging the importance of quality teachers, it paves the way for a robust merit-based structure of tenure, promotion, and salary structure to incentivise outstanding performers. It reaffirms that the teacher is a disseminator of multidisciplinary knowledge and a crusader for revamping of entire education system so as to sync it with the spirit of the policy to integrate the essence of cherished ancient traditions with the modern education. It positions the teacher at the centre stage for realisation of the ambitious targets such as attaining early childhood care and education (by 2030); universal foundational literacy and numeracy in primary school (by 2025); inclusive and equitable quality education and life-long learning opportunities for all learners regardless of social or economic background in tune with SDG-4 (by 2030); promotion of all scheduled languages, regional languages and mother tongue of the learners; and target to achieve 100% GER in School Education (by 2030) and 50% in Higher and Vocational Education (by 2035). It reaffirms that the teacher is a disseminator of multidisciplinary knowledge and a crusader for revamping of entire education system so as to sync it with the spirit of the policy to integrate the essence of cherished ancient traditions with the modern education. It positions the teacher at the centre stage for realisation of the ambitious targets such as attaining early childhood care and education (by 2030); universal foundational literacy and numeracy in primary school (by 2025); inclusive and equitable quality education and lifelong learning opportunities for all learners regardless of social or economic background in tune with SDG-4 (by 2030); promotion of all scheduled languages, regional languages and mother tongue of the learners; and target to achieve 100% GER in School Education (by 2030) and 50% in Higher and Vocational Education (by 2035). The National Education Policy-2020 envisions the teacher to imbibe all the spiritual, professional and ethical attributes of an ideal mentor and guide for the students, which makes it imperative for the students, parents, governments and other stakeholders to rethink their attitude towards the lesser acknowledged warrior in the mission of constructive social change. It also motivates us to derive inspiration from the great Indian visionary teachers such as Swami Dayanand Saraswati, Rabindra Nath Tagore, Swami Vivekananda, Savitribai Phule, Premchand, Dr Sarvepalli Radhakrishnan, Dr APJ Abdul Kalam and many others who dedicated their entire life in the service of the nation. Considering teaching as the noblest profession, Kalam rightly observed that "If the people remember me as a good teacher that will be the biggest honour for me". If we observe the plethora of initiatives taken by the University Grants Commission to expedite uniform implementation of National Education Policy-2020, it is perceptible that the substantial projects such as National Credit Framework (NCrF), Academic Bank of Credits, Multiple Entry and Exit Options, incorporation of Indian Knowledge System and Mulya Pravah, technology-driven pedagogical tools, National Research Foundation (NRF), National Higher Education Qualifications Framework (NHEQF), and integrated approach to learning may not see the light of the day without active participation of teachers at all levels of education. These enterprising ventures require the teachers to be creative and imaginative enough to be the torchbearer for the posterity to flourish with pride in the nation and its rich cultural heritage characterised by tolerance, harmony and respect for diversity and plurality. In such a context, a teacher is expected to imbibe the essence of Indianness and the best of the professional attributes to the extent that he/she becomes a role model for the young minds to follow. The auspicious occasion of the Teachers' Day is an opportune moment for the teachers' fraternity to internalise and practice S. Radhakrishnan's mantra "Teach to transform" so as to enable the nation to realise the vision of envisaged by Tagore in his beautiful lines: Where the mind is without fear and the head is held high; Where knowledge is free; Where the world has not been broken up into fragments by narrow domestic walls….", more so because, even in the technology-driven world, society holds a teacher in high esteem.

THE NEP-2020 RIGHTLY COMMEMORATES WIDELY HAILED GREAT INDIAN TRADITION AND CLASSICAL SCHOLARS SUCH AS CHARAKA, SUSRUTA, ARYABHATA, VARAHAMIHIRA, BHASKARACHARYA, BRAHMAGUPTA, CHANAKYA, CHAKRAPANI DATTA, MADHAVA, PANINI, PATANJALI, NAGARJUNA, GAUTAMA, PINGALA, SANKARDEV, MAITREYI, GARGI, THIRUVALLUVAR AND NUMEROUS OTHERS WHO MADE PHENOMENAL CONTRIBUTION IN DIVERSE AREAS OF KNOWLEDGE, AND EXHORTS THE TEACHERS TO HASTEN THE FUNDAMENTAL REFORMS VISUALISED IN THE POLICY

ह.के.वि. में होगी एम.फार्म. फार्माकोलॉजी की पढ़ाई

महेंद्रगढ़, 5 सितम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में अब एम. फार्म फार्माकोलॉजी की भी पढ़ाई होगी। यह पाठ्यक्रम (फार्माकोलॉजी) फार्मेसी के ऐसे स्नातकों के लिए होगा जो इस क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में पहले से ही एम.फार्म पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इसी क्रम में अब विश्वविद्यालय में एम.फार्म. फार्माकोलॉजी कार्यक्रम को फार्मेसी काऊंसिल ऑफ इंडिया (पी.सी.आई.) द्वारा मंजूरी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस नए पाठ्यक्रम की शुरूआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि दवा खोज के क्षेत्र में विशेषज्ञों और पेशेवरों की मांग को ध्यान में रखते हुए, दवा खोज और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता में यह पाठ्यक्रम अहम भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह कार्यक्रम फार्मास्युटिकल उद्योगों और नैदानिक अनुसंधान संगठनों में प्रशिक्षित युवाओं की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मददगार होगा।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन और डीन, रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने भी इस उपलब्धि के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के संकायों को बधाई दी।

विश्वविद्यालय को फार्मेसी काऊंसिल ऑफ इंडिया द्वारा प्राप्त अनुमोदन के अनुसार, 2023-24 से कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त हो गया है। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए विभाग के पास पर्याप्त सुविधाएं और बुनियादी ढांचा है। उन्होंने कहा कि सत्र 2023-24 के लिए इस कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया ओपन काऊंसिलिंग के माध्यम से जल्द शुरू की जाएगी।

प्रवेश के लिए अधिसूचना हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर जारी की जाएगी। इस उपलब्धि पर डॉ. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और प्रो. नीलम सांगवान के प्रति विशेष रूप से उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पाठ्यक्रम के संचालन हेतु सहयोग करने वाले विभाग के शिक्षकों के योगदान की सराहना की।

हकेवि में युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषयक सेमिनार आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बी.वोक. बायोमेडिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ लाइफ- लॉन्ग लर्निंग द्वारा ह्यवुवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्राह्य विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेमिनार का उद्घाटन किया। कुलपति ने अपने संबोधन में करियर काउंसलिंग के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने विदेश में करियर का अवसर पाने के लिए जागरूकता और कड़ी मेहनत के प्रभाव पर जोर दिया। कुलपति ने आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की पहल की सराहना की।

सेमिनार में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। आज समाज

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सेमिनार की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सेमिनारों का आयोजन विभाग द्वारा किया जाएगा। सेमिनार में विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। हालाँकि, विद्यार्थियों को अवसर और आवश्यकताओं के बारे में जागरूक होना चाहिए। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव का परिचय दिया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव, डेलिक्स थेरेप्यूटिक्स, बेडफोर्ड, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में वैज्ञानिक-न्यूरोप्लास्टिसिटी हैं और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन में उनका अनुभव है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. तरूण कुमार ने बताया कि सेमिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता की और विदेशी करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। डॉ. ऋचा ने टीम सदस्य के रूप में आयोजन में सक्रिय सहयोग किया।

हकेवि में एक विद्यार्थी–एक पेड़ अभियान की हुई शुरूआत

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने गोद लिए वृक्ष, देखभाल करने की ली प्रतिज्ञा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रॉस, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग व शिक्षा पीठ द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में सभी सहभागियों से विश्वविद्यालय परिसर में हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए यूजीसी, एआईसीटीई और सीएक्यूएम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के एक भाग के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत की। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर व उसकी देखभाल कर प्रकृति संरक्षण में सहयोग के लिए सभी को प्रेरित किया और सभी विद्यार्थियों से एक-एक पौधा लगाने की अपील की।

विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान में 80 से अधिक विद्यार्थियों ने पहाड़ी पापड़ी, नीम, बकैन जैसे देशी पेड़ों के 800 से अधिक पेड़ लगाए गए। उन्होंने बताया कि इससे पहले 27 जुलाई 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान के तहत 1000 पौधे लगाए गए थे। उन्होंने पौधों की व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायत जांट की सरपंच सुश्री कीर्ति और जिला वन विभाग को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस, वाईआरसी, उन्नत भारत अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रोफेसर दिनेश चहल, डॉ. अनिता कुमारी, कार्यकारी अभियंता श्री अमरजीत, एई श्री मुकेश उपस्थित रहे।

हकेवि में पौधारोपण कर एक विद्यार्थी-एक पेड़ अभियान की शुरूआत करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

एक विद्यार्थी-एक पौधा अभियान की शुरुआत

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने गोद लिए पौधे, देखभाल करने और प्रकृति के संरक्षण की ली शपथ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रॉस, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग व शिक्षा पीठ द्वारा संयुक्त रूप से पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में सभी सहभागियों से विश्वविद्यालय परिसर में हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए यूजीसी, एआईसीटीई और सीएक्यूएम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के एक भाग के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधरोपण कर व उसकी देखभाल कर प्रकृति संरक्षण में सहयोग के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान में 80 से अधिक विद्यार्थियों ने पहाड़ी पापड़ी, नीम, बकैन जैसे देसी 800 से अधिक पौधे लगाए गए। उन्होंने बताया कि इससे पहले 27 जुलाई 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान के तहत एक हजार पौधे लगाए गए थे। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस, वाईआरसी, उन्नत भारत अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अनिता कुमारी, कार्यकारी अभियंता अमरजीत व एई मुकेश उपस्थित रहे।

हकेंवि में अभियान की शुरुआत करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। स्रोत : विवि

वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषय पर सेमिनार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग द्वारा 'युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेमिनार का उद्घाटन किया। कुलपति ने कॅरिअर काउंसिलिंग के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने विदेश में कॅरिअर का अवसर पाने के लिए जागरूकता और कड़ी मेहनत के प्रभाव पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सेमिनारों का आयोजन विभाग द्वारा किया जाएगा। सेमिनार में विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव ने कहा कि कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. तरुण कुमार ने बताया कि सेमिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता की और विदेशी करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। डॉ. ऋचा ने टीम सदस्य के रूप में आयोजन में सक्रिय सहयोग किया। संवाद

कार्यशाला में मंचासीन शिक्षक और विशेषज्ञ। स्रोत : विवि

जीवन ईश्वर का दिया अनमोल उपहार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन ईश्वर का दिया अनमोल उपहार है। इसे प्रेम एवं संवेदना के साथ जीना चाहिए। हमारा जीवन केवल हमारा नहीं है, वह दूसरों के लिए भी उपयोगी है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। हमें खुश रहने के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि हम खुश रहने के लिए बने हैं। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आत्महत्या रोकथाम के महत्त्व और ऐसी कार्यशालाओं की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने आशा नहीं छोड़ने पर जोर दिया। कार्यशाला के आयोजन सचिव प्रो. वी.एन. यादव ने दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. ओप. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जीवन में स्वीकार्यता के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय से डॉ. संजय कुमार, राजस्थान फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के डॉ. मुकेश शर्मा ने एक मनोवैज्ञानिक का दृष्टिकोण विषय पर, हकेंवि की संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन रानी ने महिलाओं के परिप्रेक्ष्य में तथा समाजशास्त्र विभाग के डॉ. युद्धवीर ने समाजशास्त्र के संदर्भ में चर्चा की। कार्यशाला में आत्महत्या रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संगीत नाटिका, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, फिल्म स्क्रीनिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 300 शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। संवाद

'कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए जरूरी कारक'

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में बी.वोक. बायोमेडिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग द्वारा 'युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेमिनार का उद्घाटन किया। कुलपति ने अपने संबोधन में करियर काउंसिलिंग के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने विदेश में कॅरियर का अवसर पाने के लिए जागरूकता और कड़ी मेहनत के प्रभाव पर जोर दिया। कुलपति ने आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की पहल की सराहना की। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सेमिनार की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषय पर सेमिनार

सेमिनार में विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को सांझा करते हुए कहा कि कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। हालांकि, विद्यार्थियों को अवसर और आवश्यकताओं के बारे में जागरूक होना चाहिए। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव का परिचय दिया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव, डेलिक्स थेरेप्यूटिक्स, बेडफोर्ड, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में वैज्ञानिक-न्यूरोप्ला स्टिसिटी हैं और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन में उनका अनुभव है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. तरूण कुमार ने बताया कि सेमिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता की और विदेशी करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। डॉ. ऋचा ने टीम सदस्य के रूप में आयोजन में सक्रिय सहयोग किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक विद्यार्थी-एक पेड़ अभियान की हुई शुरुआत

गोद लिए पौधे, देखभाल करने की ली गई प्रतिज्ञा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रॉस, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग व शिक्षा पीठ द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में सभी सहभागियों से विश्वविद्यालय परिसर में हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए यूजीसी, एआईसीटीई और सीएक्यूएम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के एक

भाग के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर व उसकी देखभाल कर प्रकृति संरक्षण में सहयोग के लिए सभी को प्रेरित किया और सभी विद्यार्थियों से एक-एक पौधा लगाने की अपील की। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान में 80 से अधिक विद्यार्थियों ने पहाड़ी पापड़ी, नीम, बकैन जैसे देशी पेड़ों के 800 से अधिक पेड़ लगाए गए। उन्होंने बताया कि इससे पहले 27 जुलाई 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान के तहत 1000 पौधे लगाए गए थे। उन्होंने पौधों की व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायत जांट की सरपंच कीर्ति और जिला वन विभाग को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस, वाईआरसी, उन्नत भारत अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रोफेसर दिनेश चहल, डॉ. अनिता कुमारी, कार्यकारी अभियंता अमरजीत, एमई मुकेश उपस्थित रहे।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित

महेंद्रगढ़, 12 सितम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन ईश्वर का दिया अनमोल उपहार है। इसे प्रेम एवं संवेदना के साथ जीना चाहिए। हमारा जीवन केवल हमारा नहीं है, वह दूसरों के लिए भी उपयोगी है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। हमें खुश रहने के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि हम खुश रहने के लिए बने हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने परिचर्चा के माध्यम से आत्महत्या के कारणों एवं रोकथाम पर प्रकाश डाला। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय से डा. संजय कुमार, राजस्थान फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के डा. मुकेश शर्मा ने एक मनोवैज्ञानिक का दृष्टिकोण विषय पर, ह.के.वि. की संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डा. सुमन रानी ने महिलाओं के परिप्रेक्ष्य में तथा समाजशास्त्र विभाग के डा. युद्धवीर ने समाजशास्त्र के संदर्भ में चर्चा की।

कार्यशाला में आत्महत्या रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संगीत नाटिका, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, फिल्म स्क्रीनिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 300 शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यार्थी समन्वयक कुमारी मंजु फोगाट व कुमारी निधि कलोनिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेवि में युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषयक सेमिनार आयोजित

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बी.वोक. बायोमेडिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ लाइफ- लॉन्ग लर्निंग द्वारा 'युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेमिनार

का उद्घाटन किया। कुलपति ने अपने संबोधन में करियर काउंसलिंग के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने विदेश में करियर का अवसर पाने के लिए जागरूकता और कड़ी मेहनत के प्रभाव पर जोर दिया। कुलपति ने आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की पहल की सराहना की। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सेमिनार की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सेमिनारों का आयोजन विभाग द्वारा किया जाएगा। सेमिनार में विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। हालाँकि, विद्यार्थियों को अवसर और आवश्यकताओं के बारे में जागरूक होना चाहिए। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रोहित कुमार वर्मा ने विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव का परिचय दिया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव, डेलिक्स थेरेप्यूटिक्स, बेडफोर्ड, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में वैज्ञानिक-न्यूरोप्लास्टिसिटी हैं और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन में उनका अनुभव है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. तरूण कुमार ने बताया कि सेमिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता की और विदेशी करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। डॉ. ऋचा ने टीम सदस्य के रूप में आयोजन में सक्रिय सहयोग किया।

हकेंवि में 'एक विद्यार्थी–एक पौधा' अभियान की हुई शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रास, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग व शिक्षा पीठ द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में सभी सहभागियों से विश्वविद्यालय परिसर में हरित आवरण बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए यूजीसी, एआईसीटीई और सीएक्यूएम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के एक भाग के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने

हकेंवि में एक विद्यार्थी–एक पौधा अभियान की शुरुआत करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव

पौधारोपण कर व उसकी देखभाल कर प्रकृति संरक्षण में सहयोग के लिए सभी को प्रेरित किया और सभी विद्यार्थियों से एक–एक पौधा लगाने की अपील की। विवि के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान में 80 से अधिक विद्यार्थियों ने पहाड़ी पापड़ी, नीम, बकैन जैसे देशी पेड़ों के 800 से अधिक पौधे लगाए गए। इससे पहले 27 जुलाई को विवि में पौधारोपण अभियान के तहत एक हजार पौधे लगाए गए थे। उन्होंने पौधों की व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायत जांट की सरपंच कीर्ति और जिला वन विभाग का आभार जताया। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस, वाईआरसी, उन्नत भारत अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपका जीवन दूसरों के लिए भी उपयोगी: टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन ईश्वर का दिया अनमोल उपहार है। इसे प्रेम एवं संवेदना के साथ जीना चाहिए। हमारा जीवन केवल हमारा नहीं है, वह दूसरों के लिए भी उपयोगी है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। हमें खुश रहने के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि हम खुश रहने के लिए बने हैं।

विश्वविद्यालय के दो दिवसीय आयोजन की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का किया गया आयोजन

स्वागत करते हुए आत्महत्या रोकथाम के महत्त्व और ऐसी कार्यशालाओं की आवश्यकता पर चर्चा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव प्रो. वीएन यादव ने दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. ओपी शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जीवन में स्वीकार्यता के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने परिचर्चा के माध्यम से आत्महत्या के कारणों एवं रोकथाम पर प्रकाश डाला। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय से डा. संजय कुमार, राजस्थान फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के डा. मुकेश शर्मा ने एक मनोवैज्ञानिक का दृष्टिकोण विषय पर, हकेंवि की संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डा. सुमन रानी ने महिलाओं के परिप्रेक्ष्य में तथा समाजशास्त्र विभाग के डा. युद्धवीर ने समाजशास्त्र के संदर्भ में चर्चा की। कार्यशाला में आत्महत्या रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संगीत नाटिका, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, फिल्म स्क्रीनिंग, वाद–विवाद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 300 शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यार्थी समन्वयक कुमारी मंजु फोगाट व कुमारी निधि कलोनिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपका जीवन दूसरों के लिए भी उपयोगी : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि जीवन ईश्वर का दिया अनमोल उपहार है। इसे प्रेम एवं संवेदना के साथ जीना चाहिए। हमारा जीवन केवल हमारा नहीं है, वह दूसरों के लिए भी उपयोगी है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। हमें खुश रहने के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं है बल्कि हम खुश रहने के लिए बने हैं।

विश्वविद्यालय के दो दिवसीय आयोजन की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का किया गया आयोजन

स्वागत करते हुए आत्महत्या रोकथाम के महत्त्व और ऐसी कार्यशालाओं की आवश्यकता पर चर्चा की। कार्यशाला के आयोजन सचिव प्रो. वीएन यादव ने दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. ओपी शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जीवन में स्वीकार्यता के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने परिचर्चा के माध्यम से आत्महत्या के कारणों एवं रोकथाम पर प्रकाश डाला। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय से डा. संजय कुमार, राजस्थान फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के डा. मुकेश शर्मा ने एक मनोवैज्ञानिक का दृष्टिकोण विषय पर, हकेवि की संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डा. सुमन रानी ने महिलाओं के परिप्रेक्ष्य में तथा समाजशास्त्र विभाग के डा. युद्धवीर ने समाजशास्त्र के संदर्भ में चर्चा की। कार्यशाला में आत्महत्या रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संगीत नाटिका, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, फिल्म स्क्रीनिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 300 शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यार्थी समन्वयक कुमारी मंजु फोगाट व कुमारी निधि कलोनिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में 'एक विद्यार्थी-एक पेड़' अभियान

हकेंवि में मंगलवार को पौधारोपण अभियान की शुरुआत करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। -हप्र

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के 'ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस' क्लब, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रॉस, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग व शिक्षा पीठ द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में सभी सहभागियों से विश्वविद्यालय परिसर में हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से एक-एक पौधा लगाने की अपील भी की। विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि एक विद्यार्थी-एक पेड़ अभियान में 80 से अधिक विद्यार्थियों ने पहाड़ी पापड़ी, नीम, बकैन जैसे देशी पेड़ों के 800 से अधिक पौधे लगाए। उन्होंने पौधों की व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायत जांट की सरपंच कीर्ति और जिला वन विभाग को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर दिनेश बहल, डॉ. अनिता कुमारी, कार्यकारी अभियंता अमरजीत, एई मुकेश भी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 13 September 2023
https://epaper.dainiktribun

युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषय पर सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीवोक बायोमेडिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ लाइफ-लांग लर्निंग द्वारा युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेमिनार का उद्घाटन किया। कुलपति ने अपने संबोधन में करियर काउंसलिंग के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने विदेश में करियर का अवसर पाने के लिए जागरूकता और कड़ी मेहनत के प्रभाव पर जोर दिया। कुलपति ने इसके लिए विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की

महेंद्रगढ़। प्रतिभागियों को संबोधित करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पहल की सराहना की। विवि के स्कूल ऑफ लाइफ-लांग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सेमिनार की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विशेषज्ञ डॉ. प्रणय श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं।

एक विद्यार्थी-एक पेड़ अभियान का आगाज

- विवि के विद्यार्थियों ने गोद लिए वृक्ष, देखभाल करने की ली प्रतिज्ञा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, एनएसएस इकाई, यूथ रेडक्रॉस, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग व शिक्षा पीठ द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में सभी सहभागियों से विश्वविद्यालय परिसर में हरित आवरण बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए यूजीसी, एआईसीटीई और सीएक्यूएम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के एक भाग के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पौधरोपण कर व उसकी देखभाल कर प्रकृति संरक्षण में सहयोग के लिए सभी को प्रेरित किया। विवि के ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस क्लब के समंवयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इसमें 80 से अधिक विद्यार्थियों ने पहाड़ी पापड़ी, नीम, बकैन जैसे देशी पेड़ों के 800 से अधिक पौधे लगाए। 27 जुलाई को विवि में पौधरोपण के तहत 1000 पौधे लगाए गए थे। व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायत जांट की सरपंच कीर्ति और जिला वन विभाग को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस, वाईआरसी, उन्नत भारत अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. दिनेश चहल, डॉ. अनिता कुमारी, कार्यकारी अभियंता अमरजीत व एई मुकेश उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। एक विद्यार्थी-एक पेड़ अभियान की शुरुआत करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। *फोटो: हरिभूमि*

हकेवि में युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषयक सैमिनार आयोजित

सैमिनार में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 12 सितम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में बी. वोक. बायो-मैडीकल साइंसेज, स्कूल ऑफ लाइफ- लॉन्ग लर्निंग द्वारा युवा वैज्ञानिकों की रोमांचक यात्रा विषय पर सैमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सैमिनार का उद्घाटन किया।

कुलपति ने अपने संबोधन में करियर काऊंसलिंग के महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने विदेश में करियर का अवसर पाने के लिए जागरूकता और कड़ी मेहनत के प्रभाव पर जोर दिया। कुलपति ने आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की पहल की सराहना की।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ-लॉन्ग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सैमिनार की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के सैमिनारों का आयोजन विभाग द्वारा किया जाएगा।

सैमिनार में विशेषज्ञ डा. प्रणय श्रीवास्तव ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कौशल, समर्पण और सीखने की प्रवृत्ति जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। कार्यक्रम के संयोजक डा. रोहित कुमार वर्मा ने विशेषज्ञ डा. प्रणय श्रीवास्तव का परिचय दिया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डा. प्रणय श्रीवास्तव, डेलिक्स थेरेप्यूटिक्स, बेडफोर्ड, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में वैज्ञानिक-न्यूरोप्लास्टिसिटी हैं और हार्वर्ड मैडीकल स्कूल, बोस्टन में उनका अनुभव है।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. मनीषा पांडे और डा. तरुण कुमार ने बताया कि सैमिनार में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता की और विदेशी करियर विकल्पों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। ऋचा ने टीम सदस्य के रूप में आयोजन में सक्रिय सहयोग किया।

शिक्षा

कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन

समाज में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद

जनजाति गौरव पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है।

कुलपति ने इस अवसर पर सीमा के नजदीक रह रहे लोगों की परेशानियों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमा पार से लालच देने के बावजूद भी सीमा पार नहीं करते, यह उनकी देशभक्ति ही है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग से समरसता व अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 14 सितंबर को विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार के संबंध में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणक्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सेमिनार में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार के संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि सेमिनार में प्रबंधन और नेतृत्व, सामाजिक न्याय, कूटनीति, आर्थिक व्यवस्था, गरीबी और असमानता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों में चाणक्य की दार्शनिक प्रासंगिकता आदि पर चर्चा होगी। संवाद

हकेवि में चाणक्य की विचारधारा और दर्शन पर आधारित सेमिनार आज

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में 14 सितंबर को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणक्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सेमिनार में प्रबंधन और नेतृत्व, सामाजिक न्याय, कूटनीति, आर्थिक व्यवस्था, गरीबी और असमानता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों में चाणक्य की दार्शनिक प्रासंगिकता आदि विषयों पर गहन चर्चा होगी।

कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन

श्री वैभव सुरंगे का श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार.

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित इस व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन पर आधारित सेमिनार आज

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आज 14 सितंबर को विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणक्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सेमिनार में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री राज नेहरु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार के संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि सेमिनार में प्रबंधन और नेतृत्व, सामाजिक न्याय, कूटनीति, आर्थिक व्यवस्था, गरीबी और असमानता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधानों में चाणक्य की दार्शनिक प्रासंगिकता आदि विषयों पर गहन चर्चा होगी। सेमिनार में प्रो. एनके बिश्नोई, प्रो. पवन शर्मा, डा. गगन दीप शर्मा, प्रो. राजीव कुमार सिंह, डा. कौशल पाल, प्रो. मनोज सिवाच, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. मृदुल धारवाल, डा. सुनील फोगाट, प्रो. सोनू मदन, डा. विकास बत्रा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही सेमिनार के आयोजन में सुश्री रेणु, डा. रितु, अंजु, डा. अमनदीप वर्मा, प्रो. आशीष माथुर, डा. केआर पलसानिया महत्वपूर्ण योगदान दें रहे हैं।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को किया याद

- कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन
- वीर वनवासियों के विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया

श्री वैभव सुरंगे का श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित इस व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख श्री वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी आडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है। कुलपति ने इस अवसर पर सीमा के नजदीक रह रहे लोगों की परेशानियों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमा पार से लालच देने के बावजूद भी सीमा पार नहीं करते, यह उनकी देशभक्ति ही है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग से समरसता व अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज की समस्याओं को हल करने में मदद देने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्री वैभव सुरंगे ने आजादी के अमृत महोत्सव के महत्त्व का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्षों के पड़ाव को याद करना इसलिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी को याद रहे कि हमनें आजादी कैसे हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत के गावं-गावं, गली-गली में आजादी के लिए आंदोलन हुआ तभी हम आजादी हासिल कर पाएं।

श्री सुरंगे ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और हम अपने देश की जनजातीयों के इतिहास को जानने व उन पर शोध करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन पर सेमिनार आज

नारनौल, 13 सितंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 14 सितंबर को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणक्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सेमिनार में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार के संबंध में प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि सेमिनार में प्रबंधन और नेतृत्व, सामाजिक न्याय, कूटनीति, आर्थिक व्यवस्था, गरीबी और असमानता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों में चाणक्य की दार्शनिक प्रासंगिकता आदि विषयों पर गहन चर्चा होगी।

उन्होंने बताया कि सेमिनार में प्रो. एन.के. बिश्नोई, प्रो. पवन शर्मा, डॉ. गगन दीप शर्मा, प्रो. राजीव कुमार सिंह, डॉ. कौशल पाल, प्रो. मनोज सिवाच, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. मृदुल धारवाल, डॉ. सुनील फोगाट, प्रो. सोनू मदन, डॉ. विकास बत्रा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे।

चाणण्य की विचारधारा पर आधारित सेमिनार आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 14 सितंबर को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में चाणण्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणण्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सेमिनार में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हकेंवि में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन पर आधारित सैमिनार आज

महेंद्रगढ़, 13 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आज 14 सितम्बर को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन किया जा रहा है।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आई. सी. एस. एस. आर.), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सैमिनार के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणक्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सैमिनार में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस सैमिनार के संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि सैमिनार में प्रबंधन और नेतृत्व, सामाजिक न्याय, कूटनीति, आर्थिक व्यवस्था, गरीबी और असमानता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों में चाणक्य की दार्शनिक प्रासंगिकता आदि विषयों पर गहन चर्चा होगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

•कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 13 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित इस व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी ऑडिटोरियम में

वैभव सुरंगे का श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है।

कुलपति ने इस अवसर पर सीमा के नजदीक रह रहे लोगों की परेशानियों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमा पार से लालच देने के बावजूद भी सीमा पार नहीं करते, यह उनकी देशभक्ति ही है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग से समरसता व अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज की समस्याओं को हल करने में मदद देने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वैभव सुरंगे ने आजादी के अमृत महोत्सव के महत्त्व का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्षों के पड़ाव को याद करना इसलिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी को याद रहे कि हमनें आजादी कैसे हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत के गांव-गांव, गली-गली में आजादी के लिए आंदोलन हुआ तभी हम आजादी हासिल कर पाएं।

सुरंगे ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और हम अपने देश की जनजातियों के इतिहास को जानने व उन पर शोध करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

चाणक्य नीतियां आज भी हैं प्रासंगिक : कुलपति

विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा व दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर सेमिनार का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में वीरवार को विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा व दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरू व प्रो. एनके बिश्नोई मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। सेमिनार के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रो. एनके बिश्नोई ने वर्तमान विश्व में प्रासंगिकता के साथ चाणक्य विचारधारा और दर्शन के व्यापक पहलुओं पर चर्चा की। सेमिनार में मुख्य अतिथि राज नेहरू ने कहा कि चाणक्य के सोचने के स्तर और गुणवत्ता पर हमें गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाणक्य की नीतियां लगभग तीन हजार वर्ष बाद आज भी प्रासंगिक है। नेहरू ने चाणक्य की नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन क्षमता, अध्यापन कला का भी जिक्र किया और बताया कि किस तरह से उनसे सीख लेकर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने सभी से चाणक्य के बारे में अध्ययन कर नए भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की। विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अर्थशास्त्र के प्रो. रंजन अनेजा ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पुस्तक अर्थशास्त्र के बारे में बताया। कार्यक्रम में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेनु ने किया। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने आए हुए मेहमानों का सम्मान किया।

आयोजन में रेणु, डॉ. रितु, अंजु, डॉ. अमनदीप वर्मा, प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. आशीष माथुर, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. आरपी मीणा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. सुमन, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. केआर पलसानिया महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेमिनार में मंचासीन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. एनके बिनश्नोई। स्रोत : विवि

समूह चर्चा के दौरान उपस्थित विद्यार्थी विशेषज्ञ के साथ। स्रोत : विवि

मीडिया उद्योग में रोजगार की नई संभावनाएं

महेंद्रगढ़। हकेंवि महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरुआत होती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजेश बादल ने कहा कि मीडिया के वर्तमान विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने कैरिअर के विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया उद्योग आज देश में सबसे तेजी से बढ़ता उद्योग है जिसके कारण इसमें रोजगार की नई-नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम उद्देश्य विद्यार्थी को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय, उद्योग के बारे में जागरूक करना है। विशाल जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया के अनेकों क्षेत्र विकसित हो रहे है एवं हर क्षेत्र की अपनी विशेषता हैं। टेलीविजन न्यू मीडिया अथवा अन्य माध्यमों पर सर्व प्रथम खबर प्रकाशित करने की जल्दी में तथ्यों की जांच के लिए कम समय रहता है यही कारण है कि आज भी प्रिंट पत्रकारिता अधिक विश्वसनीय है। संवाद

उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका : कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों में व्यापक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, कुशल स्नातकों को तैयार करने में सहायक हैं। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रो. आकाश सक्सेना ने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने में ऐसे प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास व्यक्त किया। आयोजन में विशेषज्ञ डॉ. पिंकी अरोड़ा उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)- वरदान या अभिशाप तथा जी-20 शिखर सम्मेलन के भविष्य के परिप्रेक्ष्य विषय पर गहन चर्चा की। यह कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरक और ज्ञानवर्धक रहा। इसमें उन्हें समसामयिक प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण विषयों के साथ संचार और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद

मीडिया उद्योग में रोजगार की नई संभावनाएं

महेंद्रगढ़। हकेंवि महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरुआत होती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजेश बादल ने कहा कि मीडिया के वर्तमान विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने कैरिअर के विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया उद्योग आज देश में सबसे तेजी से बढ़ता उद्योग है जिसके कारण इसमें रोजगार की नई-नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम उद्देश्य विद्यार्थी को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय, उद्योग के बारे में जागरूक करना है। विशाल जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया के अनेकों क्षेत्र विकसित हो रहे है एवं हर क्षेत्र की अपनी विशेषता हैं। टेलीविजन न्यू मीडिया अथवा अन्य माध्यमों पर सर्व प्रथम खबर प्रकाशित करने की जल्दी में तथ्यों की जांच के लिए कम समय रहता है यही कारण है कि आज भी प्रिंट पत्रकारिता अधिक विश्वसनीय है। संवाद

समूह चर्चा के दौरान उपस्थित विद्यार्थी विशेषज्ञ के साथ। स्रोत : विवि

उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका : कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों में व्यापक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, कुशल स्नातकों को तैयार करने में सहायक हैं। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रो. आकाश सक्सेना ने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने में ऐसे प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास व्यक्त किया। आयोजन में विशेषज्ञ डॉ. पिंकी अरोड़ा उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)- वरदान या अभिशाप तथा जी-20 शिखर सम्मेलन के भविष्य के परिप्रेक्ष्य विषय पर गहन चर्चा की। यह कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरक और ज्ञानवर्धक रहा। इसमें उन्हें समसामयिक प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण विषयों के साथ संचार और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को विकसित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद

हकेवि में समूह चर्चा का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों में व्यापक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, कुशल स्नातकों को तैयार करने में सहायक हैं। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रो. आकाश सक्सेना ने भविष्य में भी इसी तरह की गतिविधियों के आयोजन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने में ऐसे प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास व्यक्त किया। आयोजन में विशेषज्ञ डॉ. पिंकी अरोड़ा उपस्थित रहीं।

हकेवि में 'चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार

महेंद्रगढ़| हकेवि में गुरुवार को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में 'चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरु मुख्य अतिथि व प्रो. एनके बिश्नोई मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। सेमिनार के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए समसामयिक मुद्दों पर चाणक्य की विचारधारा और दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्र के प्रो. रंजन अनेजा ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पुस्तक 'अर्थशास्त्र' के बारे में बताया।

हकेवि में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन पर आधारित सेमिनार आयोजित

राज नेहरु ने मुख्य अतिथि व प्रो. एन.के. बिश्नोई ने मुख्य वक्ता के रूप में किया संबोधित

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को विश्व का नेतृत्व करने हेतु वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री राज नेहरु मुख्य अतिथि व प्रो. एन.के. बिश्नोई मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। सेमिनार के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्वविद्यालय मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए समसामयिक मुद्दों पर चाणक्य की विचारधारा और दर्शन की

प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्र के प्रो. रंजन अनेजा ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पुस्तक 'अर्थशास्त्र' के बारे में बताया जिसमें सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास शामिल है। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि चाणक्य विचारधारा और दर्शन वर्तमान परिदृश्य में अभी भी प्रासंगिक है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे शिक्षा प्रणाली, धन वितरण, शासन, कूटनीति आदि क्षेत्रों में योगदान देकर चाणक्य रणनीति दुनिया को बदल सकती है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चाणक्य नीति पर अपने विचार साझा किए और प्राचीन इतिहास, महाभारत जैसे साहित्य पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने जीडीपी गणना पर जोर दिया और यह बताकर चिंता जताई कि हम जो भी उत्पादन करते हैं उसका उपभोग हमारे द्वारा किया जाता है और उपभोग का हिस्सा भारत की जीडीपी गणना में शामिल नहीं है।

सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रो. एन.के. बिश्नोई ने वर्तमान विश्व में प्रासंगिकता के साथ चाणक्य विचारधारा और दर्शन के व्यापक पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कौटिल्य के अर्थशास्त्र, कौटिल्य के दर्शन, कौटिल्य के वैचारिक ढांचे, कौटिल्य की विदेश नीति के तरीकों, कौटिल्य के राजनीतिक दृष्टिकोण, प्रशासन के बारे में विचार, अर्थशास्त्र में आर्थिक सोच, सार्वजनिक वस्तुओं का प्रावधान, कीमत की धारणा आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। सेमिनार में मुख्य अतिथि श्री राज नेहरु ने कहा कि चाणक्य के सोचने के स्तर और गुणवत्ता पर हमें गर्व होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चाणक्य की नीतियाँ लगभग तीन हजार वर्ष बाद आज भी प्रासंगिक है। श्री नेहरु ने चाणक्य की नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन क्षमता, अध्यापन कला का भी जिक्र किया और बताया कि किस तरह से उनसे सीख लेकर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने सभी से चाणक्य के बारे में अध्ययन कर नए भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रेनु ने किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि चाणक्य विचारधारा का भारतीय राजनीतिक और आर्थिक विचारों पर स्थायी प्रभाव पड़ा, जो व्यावहारिकता, शासन कला आदि पर जोर देता है।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने प्रस्तुत किया। आयोजन में सुश्री रेणु, डॉ. रितु, सुश्री अंजु, डॉ. अमनदीप वर्मा, प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. आशीष माथुर, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. आर.पी. मीणा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. सुमन, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. के.आर. पलसानिया महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। सेमिनार में विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम की हुई शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में इस प्रकार के शैक्षणिक एवं इंडस्ट्री संवाद आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरुआत होती है। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को अपना कार्यक्षेत्र तय करने में मदद मिलती है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक राजेश बादल ने कहा कि मीडिया के वर्तमान विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने करियर के विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया उद्योग आज देश में सबसे तेजी से बढ़ता उद्योग है जिसके कारण इसमें रोजगार की नई नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। इंडक्शन कार्यक्रम में विभिन्न 10 सत्रों में मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों से वक्ताओं का आमंत्रित किया गया है।

प्राइम टाइम एंकर सैफराज सैफी ने टेलीविजन क्षेत्र में एंकरिंग के लिए जरूरी तैयारी और करियर संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पढना अच्छी एंकरिंग का आधार है। यदि आप अच्छा पढ़ेंगे तो अच्छा लिख सकेंगे और अच्छा बोल सकेंगे। तभी आगे बढ़ सकेंगे। वरिष्ठ पत्रकार विशाल जोशी ने बताया कि वर्तमान समय में मीडिया के अनेकों क्षेत्र विकसित हो रहे है एवं हर क्षेत्र की अपनी विशेषता हैं। जो छात्रों के लिए अच्छा है।

इंटरनेट मीडिया के दौर में त्वरित सूचनाओं के समय में प्रिंट मीडिया में अभी भी क्यों और कैसे ककारों पर ध्यान दिया जाता है। पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष कुमार हुलगबलि ने विद्यार्थियों को ई-संसाधनों की जानकारी देते हुए शिक्षा, अनुसंधान और पत्रकारिता डेटा के लिए ई-संसाधनों की पहुंच और उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डा. पंकज कुमार, डा. सुरेंद्र, डा. भारती बत्रा सहित विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में शैक्षणिक एवं इंडस्ट्री संवाद आयोजन के लिए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरूआत होती है। इससे विद्यार्थियों को अपना कार्यक्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। मुख्य वक्ता पत्रकार राजेश बादल ने कहा है कि विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने कॅरियर के विकल्प चुने।

हकेंवि में समूह चर्चा का किया आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में व्यापक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, कुशल स्नातकों को तैयार करने में सहायक हैं। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के प्रो. आकाश सक्सेना ने भविष्य में भी इसी तरह की गतिविधियों के आयोजन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने में ऐसे प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास व्यक्त किया।

हकेवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम की हुई शुरुआत

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में इस प्रकार के शैक्षणिक एवं इंडस्ट्री संवाद आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरूआत होती है। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को अपना कार्यक्षेत्र तय करने में मदद मिलती है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक राजेश बादल ने कहा है कि मीडिया के वर्तमान विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने कॅरियर के विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया उद्योग आज

देश में सबसे तेजी से बढ़ता उद्योग है जिसके कारण इसमें रोजगार की नई नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। राजेश बादल ने वर्तमान समय में मीडिया विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकारिता वर्तमान समय में विश्व में सबसे अधिक विकसित एवं विस्तृत इंडस्ट्री बन चुका है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम उद्देश्य विद्यार्थी को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय एवं उद्योग के बारे में जागरूक करना है ताकि वे सत्र के शुरूआत में ही मीडिया उद्योग में अपनी भूमिका का चयन कर सकें। इंडक्शन कार्यक्रम में विभिन्न 10 सत्रों में मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों से वक्ताओं का आमंत्रित किया गया है। न्यूज इंडिया के प्राइम टाइम एंकर सैफराज सैफी ने टेलीविजन क्षेत्र में एंकरिंग के लिए जरूरी तैयारी और करियर संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पढना अच्छी एंकरिंग का आधार है। यदि आप अच्छा पढ़ेंगे तो अच्छा लिख सकेंगे और अच्छा बोल सकेंगे। मीडिया क्षेत्र में सबसे जरूरी है- जिद जज्बा और जुनून। मीडिया इंडस्ट्री में कोई शॉर्टकट नहीं है सतत कार्य एवं प्रयास ही सफलता की कुंजी है। वरिष्ठ पत्रकार विशाल जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया के अनेकों क्षेत्र विकसित हो रहे है एवं हर क्षेत्र की अपनी विशेषता हैं। सोशल मीडिया के दौर में त्वरित सूचनाओं के समय में प्रिन्ट मीडिया में अभी भी क्यों और कैसे ककारों पर ध्यान दिया जाता है। टेलिविजन न्यू मीडिया अथवा अन्य माध्यमों पर सर्व प्रथम खबर प्रकाशित करने की जल्दी में तथ्यों की जाँच के लिए कम समय रहता है यही कारण है कि आज भी प्रिन्ट पत्रकारिता अधिक विश्वसनीय है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार हुलगबलि ने विद्यार्थियों को ई-संसाधनों की जानकारी देते हुए शिक्षा, अनुसंधान और पत्रकारिता डेटा के लिए ई-संसाधनों की पहुंच और उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ नीरज कर्ण सिंह एवं डॉ आलेख नायक ने बताया कि कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन आजतक के डिप्टी संपादक आशुतोष मिश्रा, पीआर गुरू सुरेश गौर, भारतीय जनसंचार संस्थान की प्रोफेसर अनुभूति यादव एवं राज्य सभा चैनल के सीईओ राहुल महाजन विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डॉ पंकज कुमार, डॉ सुरेंद्र, डॉ भारती बत्रा सहित विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

ह्यूमन इंडिया का इस समाचार पत्र में मुद्रित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि अवश्य कर लें।

ह्यूमन इंडिया दैनिक समाचार पत्र फरीदाबाद में समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें:

हकेवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम की हुई शुरुआत

खोजी/मनोज गोयल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सत्रारंभ में इस प्रकार के शैक्षणिक एवं इंडस्ट्री संवाद आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में शैक्षणिक ज्ञान और डिग्री के साथ कौशल अनिवार्य है। एक अच्छी शुरुआत से ही शिक्षण सत्र के बेहतरीन शुरूआत होती है। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को अपना कार्यक्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक राजेश बादल ने कहा है कि मीडिया के वर्तमान विद्यार्थियों को मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक कार्यक्षेत्र चुनने की बजाए नए क्षेत्रों को अपने कॅरियर के विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया उद्योग आज देश में सबसे तेजी से बढ़ता उद्योग है जिसके कारण इसमें रोजगार की नई नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। राजेश बादल ने वर्तमान समय में मीडिया विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकारिता वर्तमान समय में विश्व में

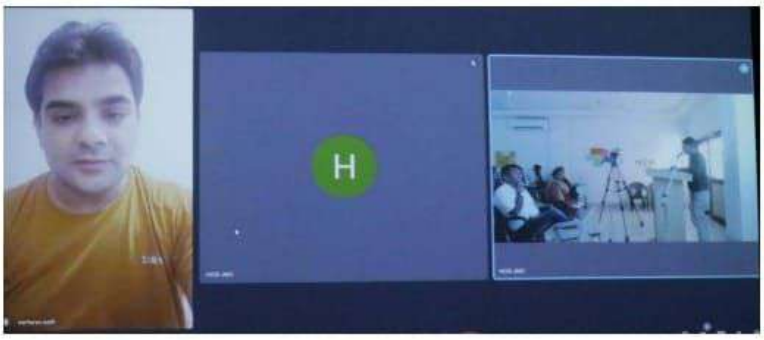

सबसे अधिक विकसित एवं विस्तृत इंडस्ट्री बन चुका है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दो दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम उद्देश्य विद्यार्थी को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय एवं उद्योग के बारे में जागरूक करना है ताकि वे सत्र के शुरूआत में ही मीडिया उद्योग में अपनी भूमिका का चयन कर सकें। इंडक्शन कार्यक्रम में विभिन्न 10 सत्रों में मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों से वक्ताओं का आमंत्रित किया गया है। न्यूज इंडिया के प्राइम टाइम एंकर सैफराज सैफी ने टेलीविजन क्षेत्र में एंकरिंग के लिए जरूरी तैयारी और करियर संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पढना अच्छी एंकरिंग का आधार है। यदि आप अच्छा पढ़ेंगे तो अच्छा लिख सकेंगे और अच्छा बोल सकेंगे। मीडिया क्षेत्र में सबसे जरूरी है- जिद जज्बा और जुनून। मीडिया इंडस्ट्री में कोई शॉर्टकट नहीं है सतत कार्य एवं प्रयास ही सफलता की कुंजी है। वरिष्ठ पत्रकार विशाल जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया के अनेकों क्षेत्र विकसित हो रहे है एवं हर क्षेत्र की अपनी विशेषता हैं। सोशल मीडिया के दौर में त्वरित सूचनाओं के समय में प्रिन्ट मीडिया में अभी भी क्यों और कैसे ककारों पर ध्यान दिया जाता है। टेलिविजन न्यू मीडिया अथवा अन्य माध्यमों पर सर्व प्रथम खबर प्रकाशित करने की जल्दी में तथ्यों की जाँच के लिए कम समय रहता है यही कारण है कि आज भी प्रिन्ट पत्रकारिता अधिक विश्वसनीय है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार हुलगबलि ने विद्यार्थियों को ई-संसाधनों की जानकारी देते हुए शिक्षा, अनुसंधान और पत्रकारिता डेटा के लिए ई-संसाधनों की पहुंच और उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ नीरज कर्ण सिंह एवं डॉ आलेख नायक ने बताया कि कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन आजतक के डिप्टी संपादक आशुतोष मिश्रा, पीआर गुरू सुरेश गौर, भारतीय जनसंचार संस्थान की प्रोफेसर अनुभूति यादव एवं राज्य सभा चैनल के सीईओ राहुल महाजन विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डॉ पंकज कुमार, डॉ सुरेंद्र, डॉ भारती बत्रा सहित विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बारे में बताया

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस-2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल-ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी-20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज (एसआईएएस) की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने आयोजन की रुपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. कौशिक ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों के महत्व पर विस्तार से बताया।

'पर्यावरण संरक्षण में हर व्यक्ति को योगदान देना जरूरी'

ओजोन क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मान्ट्रियल प्रोटोकाल ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी-20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

विवि के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज (एसआईएएस) की अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने हए कार्यक्रम का उद्घाटन करते हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया और ओजोन परत की कमी को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डा.मोना शर्मा ने आयोजन की रुपरेखा प्रस्तुत की।

हकेंवि में ओजोन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों के साथ कुलपति • सौ. हकेंवि

डा. मोना ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनुभा कौशिक, हेड सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएस आईपीयू), नई दिल्ली का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर कौशिक ने ओजोन निर्माण और क्षरण की प्राकृतिक गतिशीलता पर चर्चा की।

इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्राम पाठशाला की इस पहल के लिए डा. दुष्यन्त कुमार को नोडल अधिकारी घोषित किया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नाटक 'टुडेज प्लेनेट' का भी मंचन किया गया। आयोजन में डा. दिनेश कुमार, डा. विक्रम सिंह, डा. अनूप यादव, डा. भूपिंदर पी. सिंह और डा. दुष्यन्त कुमार सहित संकाय सदस्यों के साथ विद्यार्थी व शोधार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की समन्वयक डा. अनीता सिंह ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में कार्यक्रम में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सभी उपस्थित लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संरक्षण का कार्य सभी की प्राथमिकता हो : सत्यव्रत शास्त्री

- कनीना के 50 गांवों के लोगो को इस काम के लिए सम्मानित किया गया
- कनीना के बलराम समारोह स्थल पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

संवाद सहयोगी, कनीना: सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था द्वारा सांस्कृतिक अहीरवाल क्षेत्र का ऐतिहासिक इतिहास लेखन के लिए सहयोग करने वाले व्यक्तियों का सम्मान समारोह कनीना के बलराम समारोह स्थल पर आयोजित किया गया। इसमें सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि संस्कृति का संरक्षण किसी एक व्यक्ति वर्ग का नाम होकर सभी लोगों का होता है, जो चीज व्यक्ति व्यक्ति, घर-घर मनाई व कराई जाती हैं, वही संस्कृति है। उसका संरक्षण करना ही हमारा उद्देश्य हैं। सत्यव्रत शास्त्री ने कहा हमारे यहां संस्कृति के संरक्षण के कार्य को सर्वदा प्राथमिकता दी और उसी के कारण से हजारों सालों की परंपरा, रीति रिवाज, गीत संगीत रहन-सहन चला रहा है।

सांस्कृतिक अहीरवाल बैठक को संबोधित करते सत्यव्रत शास्त्री • सौ. प्रवक्ता

वर्तमान समय में सांस्कृतिक विरासत के प्रति लोगों का रुझान पाश्चात्य संस्कृति के कारण से कम होता दिखाई दे रहा है। संस्कृति संरक्षण के इस कार्य को अहीरवाल संस्था ने अपने जिम्मे लिया और इसको 12 चरणों के माध्यम से संरक्षित व संवर्धित करने का लक्ष्य रखा है।

सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि अहीरवाल संस्कृति महाभारत काल से आरंभ होकर आजादी के संघर्ष तक विश्व विख्यात रही है। अहीरवाल की धरती ने ऋषि मुनि त्यागी तपस्वी वीर योद्धाओं को जन्म दिया जिसने सारे विश्व को प्रभावित किया है। कार्यक्रम मंच संचालन करते हुए संभाग प्रमुख सुरेंद्र प्राध्यापक ने कनीना इकाई के इतिहास लेखन में सहयोग करने का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में कनीना के 50 गांवों के लोगो को इस काम के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दिलावर सिंह, विजयपाल सेहलंगिया, शमशेर कोसलिया, हेमराज बाघोत, सूरत सिंह धनौंदा, दयानंद सीहोर, वीरेंद्र सिंह गाहड़ा, राधेश्याम कोटिया, कप्तान वीरेंद्र सिंह करीरा, जगदेव ,देवदत्त, एडवोकेट रमेश ककराला, सतीश आर्य रसूलपुर, सतीश कुमार मुंडिया खेड़ा, प्रमेंद्र मंडिया खेडा आदि मौजद रहे।

हकेंवि में मनाया ओजोन दिवस

महेंद्रगढ़ स्थित हकेंवि में ओजोन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी कुलपति व शिक्षकों के साथ। -निस

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 18 September 2023
https://epaper.dainiktribune

हकेंवि में ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

सभी ओजोन व क्षयकारी पदार्थों में कमी करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस-2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलः ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करना निर्धारित किया गया था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया। विवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज (एसआईएएस) की अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में प्रतिभागी कुलपति व शिक्षकों के साथ। फोटो: हरिभूमि

'टुडेज प्लैनेट' नाटक का मंचन

डॉ. मोना ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनुभा कौशिक, हेड सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएस आईपीयू), नई दिल्ली का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर कौशिक ने ओजोन निर्माण और क्षरण की प्राकृतिक गतिशीलता पर चर्चा की। उन्होंने ओजोन क्षरण को तेज करने वाली मानवीय गतिविधियों पर भी चर्चा की जो ओजोन क्षरण को तेज करते हैं। प्रोफेसर कौशिक ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों के महत्व पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान 'ग्राम पाठशाला' संस्था के सदस्य अजयपाल नागर ने 15 अगस्त 2027 तक देशभर के सभी गांवों में 663,469 पुस्तकालय स्थापित करने के संगठन के मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि ग्राम पाठशाला और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच सहयोग के माध्यम से आसपास के गांवों में पुस्तकालय स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा की जा रही है। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्राम पाठशाला की इस पहल के लिए डॉ. दुष्यंत कुमार को नोडल अधिकारी घोषित किया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नाटक 'टुडेज प्लैनेट' का भी मंचन किया गया।

दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने की आवश्यकता: प्रो. टंकेश्वर कुमार

•ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 17 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने विश्व ओजोन दिवस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुक्सान को कम करना निर्धारित किया गया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में व्यक्तिगत योगदान के महत्व पर जोर दिया और दैनिक जीवन में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों की कमी करने की आवश्यकता है।

ओजोन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी कुलपति व शिक्षकों के साथ।

उन्होंने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के जी-20 मंत्र का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हमारे जीवन में ओजोन की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया और ओजोन परत की कमी को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने आयोजन की रुपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने ओजोन परत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए रसायनों के उपयोग को कम करने का आह्वान किया और आगे बताया कि कैसे ओजोन परत हमें हानिकारक यूवी विकिरण से बचाती है, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करती है।

डॉ. मोना ने कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुभा कौशिक, हैड सैंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी , नई दिल्ली का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. कौशिक ने ओजोन निर्माण और क्षरण की प्राकृतिक गतिशीलता पर चर्चा की। उन्होंने ओजोन क्षरण को तेज करने वाली मानवीय गतिविधियों पर भी चर्चा की जो ओजोन क्षरण को तेज करते हैं। प्रो. कौशिक ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल और ओजोन से संबंधित अन्य अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के महत्व पर विस्तार से बताया।

शिक्षा

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर केंद्रित दस दिवसीय प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित दस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज द्वारा तैयार रचना पोस्टर प्रदर्शनी का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की सराहना की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

'बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा'

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित दस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया। कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की। आयोजन के दौरान डॉ. अमित मनोज ने विस्तारपूर्वक विभिन्न रचनाओं और उनके अर्थ की व्याख्या कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

बालमुकुंद गुप्त के बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

-हकेवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं केंद्रित दस दिवसीय प्रदर्शनी की हुई शरुआत

चेतना संवाददाता।
महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित इस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की।

आयोजन के दौरान डॉ. अमित मनोज ने विस्तार पूर्वक विभिन्न रचनाओं और उनके अर्थ की व्याख्या कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

'बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हकेंवि महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित इस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डा. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

रचना पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

विवि के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डा. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की।

बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई

महेंद्रगढ़,18 सितंबर (हप्र)

बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में उनकी रचनाओं पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयास से हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद किया और कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, शैलेंद्र सिंह, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन मौजूद थे।

बालमुकुंद गुप्त बिना हिन्दी साहित्य का अध्ययन अधूरा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रीत दस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार रचना पोस्टर प्रदर्शनी का सोमवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया। कुलपति ने इस अवसर पर हिन्दी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिन्दी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

बालमुकुंद गुप्त बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो. सुरेंद्र सिंह।

महेंद्रगढ़, 18 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बालमुकुंद गुप्त की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी रचनाओं पर केंद्रित इस दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अमित मनोज के द्वारा तैयार 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुभारंभ किया।

कुलपति ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य एवं पत्रकारिता के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बिना हिंदी साहित्य का अध्ययन अधूरा है। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में लगाई गई इस रचना पोस्टर प्रदर्शनी में बालमुकुंद गुप्त के द्वारा रचित रचनाओं को प्रदर्शित किया गया। इनमें उनके द्वारा आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विचारों पर आधारित रचनाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि यह प्रदर्शनी अवश्य ही विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के बड़े रचनाकार बालमुकुंद गुप्त को करीब से जानने का अवसर प्रदान करेगी।

विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम 27 को

उन्होंने इस आयोजन के लिए राजभाषा अनुभाग, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति व डॉ. अमित मनोज व उनके सहयोगियों की जमकर प्रशंसा की। आयोजन के दौरान डॉ. अमित मनोज ने विस्तार पूर्वक विभिन्न रचनाओं और उनके अर्थ की व्याख्या कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न आयोजनों का शुभारंभ हो गया है और आगामी 27 सितंबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. देवेंद्र राजपूत, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय शिक्षक डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. रीना स्वामी, डॉ. अजयपाल, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नवीन सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

फिल्म एक्टिंग कार्यशाला की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला की शुरुआत हुई। प्रशिक्षण के लिए फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के संजय मोरे उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। कार्यक्रम के निदेशक संजय मोरे व विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को इस कार्यशाला में फिल्म निर्माण व अभिनय की कला से अवगत किया जा रहा है। संवाद

हकेवि में दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला का शुभारंभ

महेंद्रगढ़ | हकेवि में मंगलवार से दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन व संरक्षण में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे के संजय मोरे उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के कार्यक्रम निदेशक संजय मोरे व विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को इस कार्यशाला में फिल्म निर्माण व अभिनय की कला से अवगत किया जा रहा है।

दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला की शुरुआत

संस, महेंद्रगढ़ : हकेंवि में मंगलवार से दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला की शुरुआत हुई। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन व संरक्षण में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षण के लिए फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, पुणे के संजय मोरे उपस्थित रहे। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस कार्यशाला के कार्यक्रम निदेशक संजय मोरे व विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यशाला का उद्घाटन किया। विवि में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक डा. पंकज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को इस कार्यशाला में फिल्म निर्माण व अभिनय की कला से अवगत किया जा रहा है।

हकेंवि में दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दस दिवसीय फिल्म एक्टिंग कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन व संरक्षण में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पुणे के संजय मोरे उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधि करेंगे हकेंवि का शैक्षणिक भ्रमण

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, आस्ट्रेलिया के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन के प्रतिनिधि वीरवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) का शैक्षणिक भ्रमण के लिए आएगें।

इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य दोनों ही संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को मूर्त रूप देना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तीन सदस्यों का यह प्रतिनिधि मंडल विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक संसाधनों के आधार पर आपसी सहयोग के लिए संभावनाएं तलाशेगा, जिसमें ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम प्रमुख रूप से शामिल है।

विवि के अंतरराष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य शिक्षा मंत्रालय की ओर से विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्तर पर देश-विदेश के शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयास करना है। तीन सदस्यों वाले इस दल में डॉ. ट्रैसी रयान, निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस तथा उप निदेशक प्रो. ची बैक शामिल रहेंगे।

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधि करेंगे हकेंवि का शैक्षणिक भ्रमण

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, आस्ट्रेलिया के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन के प्रतिनिधि गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंच रहे हैं। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य दोनों ही संस्थानों के बीच आपसी साझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को मूर्त रूप देना है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि तीन सदस्यों का यह प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक संसाधनों के आधार पर आपसी सहयोग हेतु संभावनाएं तलाशेगा, जिसमें ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम प्रमुख रूप से शामिल है। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य देश-विदेश के शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयास करना है।

Representatives of University of Melbourne will conduct academic visit of CUH

MAHENDRAGARH : Representatives of the Center for the Study of Higher Education at the University of Melbourne, Australia are reaching Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh on Thursday for an academic visit. The objective of this visit is to materialize the possibilities available at the level of study, teaching and research with mutual partnership between both the institutions. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that this delegation of three members will explore possibilities for mutual cooperation on the basis of various educational resources available in the University, which mainly includes the Graduate Certificate in University Teaching. Prof. Dinesh Chahal, Dean, International Affairs of the University said that the purpose of this visit is to make efforts on behalf of the Ministry of Education towards partnership with educational institutions

of the country and abroad at the level of various universities. He told that this team of three members includes Dr. Tracii Ryan, Director Prof. Sophie Arkoudis and Deputy Director Prof. Chi Baik will be included. He said that we hope that this educational tour will pave the way for mutual partnership with the University of Melbourne at the level of University teachers and students. In this one-day visit, representatives of the University of Melbourne will especially visit the School of Teacher Education during their tour of the University.

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न के प्रतिनिधि करेंगे हकेंवि का शैक्षणिक भ्रमण

महेंद्रगढ़, 20 सितम्बर (परमजीत, मोहन): यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया के सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन के प्रतिनिधि गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंच रहे हैं। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य दोनों ही संस्थानों के बीच आपसी सांझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को मूर्त रूप देना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 3 सदस्यों का यह प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक संसाधनों के आधार पर आपसी सहयोग हेतु संभावनाएं तलाशेगा, जिसमें ग्रैजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम प्रमुख रूप से शामिल है।

विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य शिक्षा मंत्रालय की ओर से विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्तर पर देश-विदेश के शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी की दिशा में प्रयास करना है। उन्होंने बताया कि 3 सदस्यों वाले इस दल में डॉ. ट्रैसी रयान, निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस तथा उप निदेशक प्रो. ची बैक शामिल रहेंगे।

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों के स्तर पर यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न के साथ आपसी सांझेदारी का मार्ग प्रशस्त होगा। एक दिवसीय इस यात्रा में यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न के प्रतिनिधि विश्वविद्यालय के भ्रमण के दौरान विशेष रूप से शिक्षक शिक्षा पीठ का दौरा करेंगे।

विद्यार्थियों ने स्किट, स्केच, लघु फिल्मों पर आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया

हकेंवि में चंद्रयान-3 उत्सव का हुआ आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उपस्थित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षक व विद्यार्थी।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा 'चंद्रयान -3 उत्सव' का आयोजन किया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्किट, स्केच, लघु फिल्मों पर आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यह मिशन केवल इसरो की सफलता का तो है ही। साथ ही यह मिशन उन स्कूलों और संस्थानों सहित पूरे भारत वर्ष की सफलता का भी है, जहां से वैज्ञानिक आते हैं। चंद्रयान-3 की सफलता पर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को गर्व है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई।

तत्पश्चात कार्यक्रम की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बताया कि कैसे इसरो ने चंद्रयान-3 को विकसित कर मिशन को अंजाम दिया। स्केच प्रतियोगिता में इसरो के पहले रॉकेट लॉन्च से लेकर चंद्रयान 3 की सफलता तक की यात्रा को प्रदर्शित किया। लघु फिल्म के माध्यम से बताया कि चंद्रयान-3 की सफलता देश और इसके विकास के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। निर्णायकों ने प्रतिभागियों द्वारा साझा किये गये विचारों की सराहना की। कार्यक्रम में मंच का संचालन अक्षय, संदीप व जितेन ने तथा समन्वय शोधार्थी निशा यादव ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। धन्यवाद ज्ञापन मीनाक्षी ने प्रस्तुत किया। भाषण एवं रेखाचित्र गतिविधियों का संचालन मोहनी एवं नेहा सैनी ने किया। प्रो. बीर पाल सिंह यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा ने निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में भूमिका निभाई। आयोजन में डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उन्मेश कुमार, डॉ. नीलम यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से क्षमता निर्माण पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएच.डी. कार्यक्रमों अध्ययनरत छात्राओं की क्षमता निर्माण व व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (पीडीपी) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्राओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ की महिला संयोजक डॉ. रेनु यादव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम व समकालीन युग में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस पर अवसर हरियाणा पर्यटन विभाग के अध्यक्ष अरविंद यादव ने प्रतिभागियों को छात्राओं की क्षमता निर्माण के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। दिल्ली नॉन कॉलेजिएट सेंटर की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर विस्तृत चर्चा की। सेवानिवृत्त आईएएस सुश्री सुमेधा कटारिया ने व्यक्तिगत क्षमता निर्माण के बारे में प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन के अधिष्ठता प्रो. विशाल सूद ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म अपराधों और सुरक्षा के प्रावधानों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. स्वाति, संस्कृत से डॉ. सुमन और अर्थशास्त्र से सुश्री रेनू के साथ स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चंद्रयान-3 की सफलता पर पूरे विश्व को गर्व

संवाद न्यूज एजेंसी

चंद्रयान-3 उत्सव पर विभिन्न गतिविधियों का किया प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा 'चंद्रयान -3 उत्सव' का आयोजन किया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्किट, स्केच, लघु फिल्मों पर आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह मिशन केवल इसरो की सफलता का तो है ही। साथ ही यह मिशन उन स्कूलों और संस्थानों सहित पूरे भारत वर्ष की सफलता का भी है, जहां से वैज्ञानिक आते हैं। चंद्रयान-3 की सफलता पर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को गर्व है। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बताया कि कैसे इसरो ने चंद्रयान-3 को विकसित कर मिशन को अंजाम दिया। भाषण एवं रेखाचित्र गतिविधियों का संचालन मोहनी एवं नेहा सैनी ने किया। प्रो. बीर पाल सिंह यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा ने निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में भूमिका निभाई। आयोजन में डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उन्मेश कुमार, डॉ. नीलम यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा

साझेदारी के अंतर्गत ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग की हो सकती है शुरुआत

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने किया हकेंवि का भ्रमण

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, आस्ट्रेलिया के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने वीरवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर दोनों ही संस्थानों के बीच प्रमुख रूप से शिक्षक शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम की शुरुआत पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आशा जताई कि इस भ्रमण के परिणाम स्वरूप जल्द ही दोनों संस्थानों आपसी साझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध की दिशा में काम करेंगे।

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों के साथ वीसी टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण के लिए आए यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों में निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस, उप निदेशक प्रो. ची बैक तथा डॉ. ट्रैसी रयान शामिल रहे। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में सर्वप्रथम इन प्रतिनिधियों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय केंद्र सरकार द्वारा संचालित राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है। हमारे यहां नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद देश विदेश के शिक्षण संस्थानों के साथ आपसी साझेदारी की भरपूर संभावनाएं उपलब्ध है। प्रो. एके यादव ने विश्वविद्यालय से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। प्रस्तुतिकरण के पश्चात दोनों ही संस्थानों के प्रतिनिधियों ने आपसी सहयोगी की संभावनाओं पर विचार किया।

इसमें ज्वाइंट पीएचडी सुपरविजन, ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट, ज्वाइंट सर्टिफिकेट प्रोग्राम, करिकुलम एंड फैकल्टी डेवलेपमंट प्रोग्राम, शॉर्टटर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम, वर्कशॉप, सेमिनार व कांफ्रेंस प्रमुख रहे। चर्चा के उपरांत सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन की निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस ने कहा कि दोनों ही संस्थानों के बीच आपसी सहयोग की विभिन्न संभावनाएं उपलब्ध हैं और जल्द ही हम विभागीय स्तर पर इस दिशा में साझेदारी स्थापित कर आगे बढ़ेंगे। इसी क्रम में उप निदेशक प्रो. ची बैक ने यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम विषय के बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने स्कूल ऑफ एजुकेशन का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं को देखा। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. किरण रानी ने किया।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन दोनों संस्थानों के बीच साझेदारी स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. विकास गर्ग, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. फूल सिंह, प्रो. एके यादव, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. नंद किशोर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हकेंवि में चंद्रयान-3 को लेकर उत्सव का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा 'चंद्रयान -3 को लेकर उत्सव का आयोजन किया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्किट, स्केच, लघु फिल्मों पर आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यह मिशन केवल इसरो की सफलता का तो है ही। साथ ही यह मिशन उन स्कूलों और संस्थानों सहित पूरे भारत वर्ष की सफलता का भी है, जहां से वैज्ञानिक आते हैं। चंद्रयान-3 की सफलता पर भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को गर्व है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात कार्यक्रम की संयोजक प्रो. नीलम सांगवान ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बताया कि कैसे इसरो ने चंद्रयान-3 को विकसित कर मिशन को अंजाम दिया। स्केच प्रतियोगिता में इसरो के पहले राकेट लांच से लेकर चंद्रयान 3 की सफलता तक की यात्रा को प्रदर्शित किया। लघु फिल्म के माध्यम से बताया कि चंद्रयान-3 की सफलता देश और इसके विकास के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। निर्णायकों ने प्रतिभागियों द्वारा साझा किये गये विचारों की सराहना की। कार्यक्रम में मंच का संचालन अक्षय, संदीप व जितेन ने तथा समन्वय शोधार्थी निशा यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मीनाक्षी ने प्रस्तुत किया। भाषण एवं रेखाचित्र गतिविधियों का संचालन मोहनी एवं नेहा सैनी ने किया। प्रो. बीर पाल सिंह यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. मोना शर्मा ने निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में भूमिका निभाई। आयोजन में डा. अंतरेश कुमार, डा. उन्मेश कुमार, डा. नीलम यादव सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

महिला आयोग के सहयोग से क्षमता निर्माण पर हुआ कार्यक्रम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हकेंवि, महेंद्रगढ़ द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएचडी कार्यक्रमों अध्ययनरत छात्राओं की क्षमता निर्माण व व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (पीडीपी) का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्राओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डाला। विवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ की महिला संयोजक डा. रेनु यादव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। इस पर अवसर हरियाणा पर्यटन विभाग के अध्यक्ष अरविंद यादव ने प्रतिभागियों को छात्राओं की क्षमता निर्माण के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। दिल्ली नान कालेजिएट सेंटर की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर विस्तृत चर्चा की। शारीरिक शिक्षा विभाग से डा. स्वाति और अर्थशास्त्र से रेनू के साथ स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने किया हकेवि का **शैक्षणिक भ्रमण**

केंद्रीय विश्वविद्यायय में ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम की शुरुआत पर चर्चा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, आस्ट्रेलिया के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर दोनों ही संस्थानों के बीच प्रमुख रूप से शिक्षक शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम की शुरुआत पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आशा जताई कि इस भ्रमण के परिणामस्वरूप जल्द ही दोनों संस्थान आपसी साझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध की दिशा में काम करेंगे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण हेतु आए यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों में निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस, उप निदेशक प्रो. ची बैक और डॉ. ट्रैसी रयान शामिल रहे। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में सर्वप्रथम इन प्रतिनिधियों का पारम्परिक ढंग से स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व प्रगति से अवगत कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय केंद्र सरकार द्वारा संचालित राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है। हमारे यहां नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद-देश विदेश के शिक्षण संस्थानों के साथ आपसी साझेदारी की भरपूर संभावनाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री और एजुकेशन का मेल मिलता है जिसकी बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। हमारी शिक्षा व्यवस्था ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध शिक्षा के अनुरूप है और यह आपसी साझेदारी में सहयोगी होगी। इसके पश्चात प्रो. ए.के. यादव ने विश्वविद्यालय से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया।

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते कुलपति।

उप निदेशक प्रो. ची बैक ने यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम विषय के बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने पीठ से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम के पश्चात यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने स्कूल ऑफ एजुकेशन का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं को देखा। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. किरण रानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. विकास गर्ग, प्रो. गुंजन गोयल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

1857 की क्रांति और राव तुलाराम विषय पर आज होगी विचार गोष्ठी

भास्कर न्यूज | महेन्द्रगढ़

1857 की क्रांति के अमर शहीद राव तुलाराम के शहीदी दिवस पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व युवा इंकलाब संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 22 सितंबर को विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। युवा इंकलाब संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरपंच परमजीत सिंह ने बताया कि 22 सितंबर को दोपहर 11:00 बजे केंद्रीय विश्वविद्यालय के मिनी ऑडिटोरियम में 1857 और राव तुलाराम विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार करेंगे। जबकि इतिहासकार डॉ. लक्ष्मीनारायण व डॉक्टर कर्मवीर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को 1857 की क्रांति में राव तुलाराम तथा इस क्षेत्र के वीर योद्धाओं के इतिहास के बारे में बताना है। वीर शहीद राव तुलाराम ने देश की आजादी के लिए नसीबपुर के ऐतिहासिक मैदान में अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे। यहां 5000 रणबांकुरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

यूनिवर्सिटी आफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने किया भ्रमण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : यूनिवर्सिटी आफ मेलबर्न, आस्ट्रेलिया के सेंटर फार द स्टडी आफ हायर एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने बृहस्पतिवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर दोनों ही संस्थानों के बीच प्रमुख रूप से शिक्षक शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम की शुरुआत पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आशा जताई कि इस भ्रमण के परिणाम स्वरूप जल्द ही दोनों संस्थानों आपसी साझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध की दिशा में काम करेंगे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण के लिए आए यूनिवर्सिटी आफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों में निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस, उप निदेशक प्रो. ची बैक तथा डा. ट्रैसी रयान शामिल रहे। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में सर्वप्रथम इन प्रतिनिधियों का पारम्परिक ढ़ंग से स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वागत भाषण दिया।

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने किया हकेवि का शैक्षणिक भ्रमण

-साझेदारी के अंतर्गत ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग की हो सकती है शुरुआत

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, आस्ट्रेलिया के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर दोनों ही संस्थानों के बीच प्रमुख रूप से शिक्षक शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन यूनिवर्सिटी टीचिंग प्रोग्राम की शुरुआत पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आशा जताई कि इस भ्रमण के परिणाम स्वरूप जल्द ही दोनों संस्थानों आपसी साझेदारी के साथ अध्ययन-अध्यापन व शोध की दिशा में काम करेंगे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भ्रमण हेतु आए यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों में निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस, उप निदेशक प्रो. ची बैक तथा डॉ. ट्रैसी रयान शामिल रहे। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में सर्वप्रथम इन प्रतिनिधियों का पारम्परिक ढ़ंग से स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व प्रगति से अवगत कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय केंद्र सरकार द्वारा संचालित राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है। हमारे यहां नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद देश विदेश के शिक्षण संस्थानों के साथ आपसी साझेदारी की भरपूर संभावनाएं उपलब्ध है। विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री और एजुकेशन का मेल मिलता है जिसकी बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। हमारी शिक्षा व्यवस्था ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध शिक्षा के अनुरूप है और यह आपसी साझेदारी में सहयोगी होगी। इसके पश्चात प्रो. ए.के. यादव ने विश्वविद्यालय से

संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। प्रस्तुतिकरण के पश्चात दोनों ही संस्थानों के प्रतिनिधियों ने आपसी सहयोगी की संभावनाओं पर विचार किया। जिसमें ज्वाइंट पीएच.डी. सुपरविजन, ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट, ज्वाइंट सर्टिफिकेट प्रोग्राम, करिकुलम एंड फैकल्टी डेवलेपमंट प्रोग्राम, शॉर्टटर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम, वर्कशॉप, सेमिनार व कांफ्रेंस प्रमुख रहे। चर्चा के उपरांत सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ हॉयर एजुकेशन की निदेशक प्रो. सोफी अरकौडिस ने कहा कि दोनों ही संस्थानों के बीच आपसी सहयोग की विभिन्न संभावनाएं उपलब्ध हैं और जल्द ही हम विभागीय स्तर पर इस दिशा में साझेदारी स्थापित कर आगे बढ़ेंगे। इसी क्रम में उप निदेशक प्रो. ची बैक ने यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम विषय के बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने पीठ से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम के पश्चात यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रतिनिधियों ने स्कूल ऑफ एजुकेशन का दौरा किया और वहाँ उपलब्ध सुविधाओं को देखा। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. किरण रानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश चहल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अवश्य ही यह आयोजन दोनों संस्थानों के बीच साझेदारी स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. विकास गर्ग, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. फूल सिंह, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. नंद किशोर, प्रो. मनोज कुमार सिंह, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. गौरव सिंह, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. प्रकाश कानू, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रेनु यादव, डॉ. आरती व डॉ. खेराज आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हकेवि में राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से हुआ क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- हरियाणा टूरिज्म चेयरमैन अरविंद यादव रहे मुख्य वक्ता

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएच.डी. कार्यक्रमों अध्ययनरत छात्राओं की क्षमता निर्माण व व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (पीडीपी) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्राओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डाला। हरियाणा टूरिज्म चेयरमैन अरविंद यादव ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ की महिला संयोजक डॉ. रेनु यादव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम व समकालीन युग में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस पर अवसर हरियाणा पर्यटन विभाग के अध्यक्ष अरविंद यादव ने प्रतिभागियों को छात्राओं की क्षमता निर्माण के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने इस अवसर पर कुछ उदाहरण देकर सभी को प्रशिक्षित किया। दिल्ली नॉन कॉलेजिएट सेंटर की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर विस्तृत चर्चा की। सेवानिवृत्त आईएएस सुश्री सुमेधा कटारिया ने व्यक्तिगत क्षमता निर्माण के बारे में प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन के अधिष्ठता प्रो. विशाल सूद ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म अपराधों और सुरक्षा के प्रावधानों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. स्वाति,

संस्कृत से डॉ. सुमन और अर्थशास्त्र से सुश्री रेनू के साथ स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में चंद्रयान-3 उत्सव का आयोजन

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा 'चंद्रयान -3 उत्सव' का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने स्किट, स्केच, लघु फिल्मों पर आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया । कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि यह मिशन केवल इसरो की सफलता का तो है ही।

दैनिक ट्रिब्यून

1857 की क्रांति और राव तुलाराम पर गोष्ठी आज

महेंद्रगढ़ (हप्र) : 1857 की क्रांति के अमर शहीद राव तुलाराम के शहीदी दिवस पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व युवा इंकलाब संगठन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए युवा इंकलाब संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरपंच परमजीत सिंह ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर 11:00 बजे केंद्रीय विश्वविद्यालय के मिनी ऑडिटोरियम में वर्ष 1857 और राव तुलाराम विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार करेंगे, जबकि इतिहासकार डॉ.लक्ष्मीनारायण व डॉ. कर्मवीर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को 1857 की क्रांति में राव तुलाराम तथा इस क्षेत्र के वीर योद्धाओं के इतिहास के बारे में बताना है।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 22 September 2023
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में चंद्रयान-3 उत्सव में लघु फील्मों का प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा 'चंद्रयान -3 उत्सव' का आयोजन किया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्किट, स्केच, लघु फिल्मों पर आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह मिशन केवल इसरो की सफलता का तो है ही। साथ ही यह मिशन उन स्कूलों और संस्थानों सहित पूरे भारत वर्ष की सफलता का भी है, जहां से वैज्ञानिक आते हैं। चंद्रयान-3 की सफलता पर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को गर्व है। प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बताया कि कैसे इसरो ने चंद्रयान-3 को विकसित कर मिशन को अंजाम दिया। स्केच प्रतियोगिता में इसरो के पहले रॉकेट लॉन्च से लेकर चंद्रयान-3 की सफलता को प्रदर्शित किया। लघु फिल्म के माध्यम से बताया कि चंद्रयान-3 की सफलता देश और इसके विकास के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। अक्षय, संदीप, जितेन, निशा यादव, मीनाक्षी, मोहनी, नेहा सैनी, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उन्मेश कुमार, डॉ. नीलम यादव उपस्थित रहे।

- मिशन की उपलब्धि से विश्व में बढ़ा भारत का सम्मान

हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को बताया क्षमता का महत्व

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएचडी कार्यक्रमों अध्ययनरत छात्राओं की क्षमता निर्माण व व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (पीडीपी) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्राओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. रेनु यादव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम व समकालीन युग में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। हरियाणा पर्यटन विभाग के अध्यक्ष अरविंद यादव ने प्रतिभागियों को छात्राओं की क्षमता निर्माण के लिए सरकार की योजनाओं से अवगत कराया।

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित, 27 सितंबर को होगा पुरस्कार वितरण समारोह

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणोत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सितंबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डा. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजाभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो .टंकेश्वर कुमार● सौ. एक्सटा

प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) श्री आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी।

इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डा. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डा. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। बुधवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूली विद्यार्थियों के बच्चों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की डा. कमलेश कुमारी तथा संस्कृत विभाग की डॉ. सुमन रानी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा नारा लेखन, ओपन माइक, हिंदी टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने बताया कि आयोजन में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सितंबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

हकेवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

-27 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सिंतबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गाँवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजाभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) श्री आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी। इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डॉ. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। बुधवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँवों के स्कूली विद्यार्थियों के बच्चों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की डॉ. कमलेश कुमारी तथा संस्कृत विभाग की डॉ. सुमन रानी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा नारा लेखन, ओपन माइक, हिंदी टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि आयोजन में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 27 सिंतबर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

■ 27 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा समापन

महेंद्रगढ़, 22 सितंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सिंतबर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे। कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गाँवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्त्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति के द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) श्री आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला विभागों, अनुभागों व शाखाओं को इस प्रश्नावली के लिए आवश्यक आंकड़ों के संयोजन में सहयोगी साबित होगी। इससे पूर्व में मंगलवार को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के 36 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। इसमें योग विभाग के डॉ. अजय पाल व शिक्षक शिक्षा विभाग के डॉ. शरण प्रसाद निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 22 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़ा 14 से 27 सितम्बर के बीच आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार को हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम अवश्य ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्थानीय सहभागियों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

कुलपति ने विशेष रूप से इस आयोजन के अंतर्गत गोद लिए गांवों के स्कूली बच्चों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता व बालमुकुंद गुप्त की रचनाओं पर आधारित डॉ. अमित मनोज की रचना पोस्टर प्रदर्शनी को जनजागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली पर केंद्रित विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलसचिव (राजभाषा) आनंद सोनी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति की प्रश्नावली के आधार पर विभिन्न विभागों के संबंध में सूचनाओं और उनके प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डाला। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 27 सितम्बर को इस आयोजन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

हकेवि में रोजगार व कौशल विकास पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक सप्ताह का रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पढ़ाई के साथ-साथ इस तरहे के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य विकास के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास में मदद मिलेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा नंदी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीष अरोड़ा प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने व्यक्तिगत विकास के लिए बॉडी लैंग्वेज, व्यावसायिक संचार, धन प्रबंधन, व्यावसायिक नैतिकता, लक्ष्य निर्धारण आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, जीवन कौशल समूह, प्रस्तुति कौशल कार्यस्थल संघर्ष को संभालना, समूह चर्चा, साक्षात्कार कौशल हासिल करना आदि विषयों के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भागीदारी रही। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी अपने विषय के ज्ञान में तो निपुणता हासिल कर लेते हैं लेकिन आज के आधुनिक युग में सफल उन्हें के लिए सॉफ्ट स्किल के बारे में भी जानकारी होना अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों की उपयोगिता न सिर्फ अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने में है अपितु कौशल निर्माण में ये प्रशिक्षण एक प्रमुख घटक है।

शोध दुनिया का सबसे गंभीर कार्य, ईमानदारी जरूरी

दीक्षारंभ कार्यक्रम में मंचासीन विशेषज्ञ। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन पीएचडी में पंजीकृत शोधार्थियों को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र है।

उन्होंने शोधार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग, गुरुजनों से अर्जित ज्ञान का उपयोग कर देश, समाज व मानव जाति के कल्याण के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने शोधार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध दुनिया का सबसे गंभीर कार्य है और इसे करते हुए ईमानदारी, लगन और मेहनत आवश्यक है।

आयोजन के पहले दिन विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, शोध अधिष्ठाता, शैक्षणिक अधिष्ठाता, कुलानुशासक, प्रोवोस्ट, मुख्य सुरक्षा अधिकारी, पुस्तकालयाध्यक्ष, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक व चिकित्सा अधिकारी ने विश्वविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं व उनकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम में शोध के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

महेंद्रगढ़ | हकेवि में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र है। उन्होंने शोधार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग व गुरुजनों से अर्जित ज्ञान का उपयोग कर देश, समाज व मानव जाति के कल्याण हेतु कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने इस कार्यक्रम में शोधार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध कार्य दुनिया का सबसे गंभीर कार्य है और इसे करते हुए ईमानदारी, लगन और मेहनत आवश्यक है। विद्यार्थी केवल अध्ययन कर विभिन्न विषयों में डिग्री प्राप्त करता है। जबकि एक शोधार्थी नई खोज के माध्यम से नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करता है।

हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित

एनएसएस दिवस के अवसर पर हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंचासीन कुलपति, मुख्य अतिथि व शिक्षक● सौ.हकेंवि प्रवक्ता

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को एनएसएस दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनता विद्या मंदिर गणपत राय रसिवासिया कालेज ,चरखी दादरी के प्राचार्य डा. यशवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने ने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य हमारे युवाओं को समाज से जोड़ना है। मुख्य अतिथि डा. यशवीर सिंह ने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्र प्रेम और समृद्धि में आवश्यक योगदान के साथ ही मानवता के भाव को आकर्षित करते हुए युवा एनर्जी को सकारात्मक करने का महत्व बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक गीत व अन्य प्रस्तुतियां भी दी गई। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। एनएसएस दिवस के इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को राष्ट्र के निर्माण में युवाओं के महत्व और उनके मजबूत योगदान के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

200 ने अंगदान के लिए करवाया पंजीकरण

हकेंवि के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग ने अंगदान महादान विषय पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाने का निर्णय लिया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा अंगदान महादान विषय पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने अंगदान के लिए पंजीकरण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में फार्मेसी द्वारा स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत बनाना, अंगदान महादान विषय पर स्लोगन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया

इस वर्ष पीसीआई ने लोगों को जागरूक करने और अंगदान के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से फार्मेसी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना-अंगदान महादान विषय पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अंग दान एक महान कार्य है, जो किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण दे सकता है। विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि यह कार्यक्रम अंगदान के लिए हस्ताक्षर करने के लिए वयस्कों की इच्छुक भागीदारी को बढ़ाता है।

कार्यक्रम के संयोजक और विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने प्रतिभागियों को हमारे समाज में रोगी देखभाल के प्रति फार्मासिस्ट के योगदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अंगदान करने वाला व्यक्ति लीवर, किडनी, आंत, फेफड़े, हृदय और अग्नाशय जैसे अंगों की आवश्यकता वाले आठ लोगों की जान बचा सकता है। इसके अलावा हड्डी, त्वचा, हृदय वाल्व, कॉर्निया आदि का दान करके अनगिनत लोगों के जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने अंगदान के लिए पंजीकरण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में फार्मेसी द्वारा स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत बनाना-अंगदान महादान विषय पर स्लोगन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में डॉ. सुमित कुमार, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. अशोक जांगड़ा, डॉ. मनीषा पांडे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति के साथ विद्यार्थी। स्रोत : विवि

हकेंवि में व्याख्यान देते डॉ. प्रभाकरन हेब्बार इल्लत। स्रोत : विवि

मनुष्य प्रकृति से है, प्रकृति मनुष्य से नहीं: प्रभाकरन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के हिंदी विभाग में प्रकृति, मानव और कविता' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान में कालिकट विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. प्रभाकरन हेब्बार इल्लत विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि मनुष्य प्रकृति से है, प्रकृति मनुष्य से नहीं। साथ ही साहित्य पर्यावरण की छोटी से छोटी गतिविधियों को भी स्वयं में समाहित किये हुए हैं। विशेषज्ञ वक्ता डॉ. प्रभाकरन हेब्बार इल्लत ने कहा कि प्रकृति से अलग मानव जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है। साहित्य की सार्थकता का प्रश्न उठाते हुए उसके उद्देश्य पर अपनी बात देश-विदेश के विभिन्न विचारकों के माध्यम से श्रोताओं के सामने रखी। पर्यावरणीय मुद्दों की गंभीरता के मध्य नजर उन्होंने मनुष्य जाति पर आरोप लगाते हुए कहा कि हम प्रकृति का उपयोग नहीं उपभोग कर रहे हैं, जो कि एक प्रकार से प्रकृति के साथ मनुष्य द्वारा की गई हिंसा है। प्रकृति में असीम आनंद प्रदान करने की क्षमता है यदि हम छेड़छाड़ न करके प्रकृति के साथ रागात्मक संबंध स्थापित करें। इससे पूर्व विशेषज्ञ वक्ता का परिचय शोधार्थी अनुज यादव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी गायत्री ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रीना स्वामी के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और विद्यार्थियों का धन्यवाद विभाग के सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने किया। संवाद

प्रशिक्षण से प्रतिभागियों को कौशल विकास में मदद मिलेगी: कुलपति : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक सप्ताह का रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य विकास के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास में मदद मिलेगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा नंदी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मनीष अरोड़ा प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने व्यक्तिगत विकास के लिए बॉडी लैंग्वेज, व्यावसायिक संचार, धन प्रबंधन, व्यावसायिक नैतिकता, लक्ष्य निर्धारण आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, जीवन कौशल समूह, प्रस्तुति कौशल कार्यस्थल संघर्ष को संभालना, समूह चर्चा, साक्षात्कार कौशल हासिल करना विषयों के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भागीदारी रही। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना ने इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव के बारे में प्रकाश डाला। संवाद

एनएसएस दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में एनएसएस दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों को एनएसएस के महत्व की जानकारी दी गई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य हमारे युवाओं को समाज से जोड़ना है तथा समाज से जुड़कर उन्हें समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करने का अवसर मिलता है, जिससे समाज के युवाओं की भागीदारी बढ़ती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनता विद्या मंदिर गणपत राय रासिवासीया कॉलेज, चरखी दादरी के प्राचार्य डॉ. यशवीर सिंह ने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्र प्रेम तथा राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि में आवश्यक योगदान के साथ ही मानवता के भाव को आकर्षित करते हुए युवा एनजीं को सकारात्मक करने का महत्व बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक गीत व अन्य प्रस्तुतियां भी दी गई। इससे पूर्व में कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. आनंद शर्मा, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवाद

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हकेंवि महेंद्रगढ़ के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा सोमवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य में सुधार के लिए फार्मेसी और फार्मेसी पेशेवरों के मूल्य को उजागर करने के लिए दुनिया भर के फार्मासिस्टों द्वारा मनाया जाने वाला कार्यक्रम है। फेडरेशन आफ इंटरनेशनल फार्मासिस्ट (एफआइपी) और फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया (पीसीआइ) फार्मासिस्टों को इस दिन का उपयोग उन गतिविधियों को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो दुनिया के हर कोने में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में फार्मासिस्ट की भूमिका को बढ़ावा देते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिये विद्यार्थियों को कौशल विकास में मिलेगी सहायता

विश्वविद्यालय में कई विषयों के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक सप्ताह का रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य विकास के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास में सहायता मिलेगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा नंदी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीष अरोड़ा प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने व्यक्तिगत विकास के लिए बाडी लैंग्वेज, व्यावसायिक संचार, धन प्रबंधन, व्यावसायिक नैतिकता,

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाली छात्राओं के साथ विशेषज्ञ • सौ. प्रवक्ता

लक्ष्य निर्धारण आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, जीवन कौशल समूह, प्रस्तुति कौशल कार्यस्थल संघर्ष को संभालना, समूह चर्चा, साक्षात्कार कौशल हासिल करना आदि विषयों के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डा. सूरज आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भागीदारी रही। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी अपने विषय के ज्ञान में तो निपुणता हासिल कर लेते हैं लेकिन आज के आधुनिक युग में सफल उन्हें के लिए साफ्ट स्किल के बारे में भी जानकारी होना अति आवश्यक है। इन्हीं साफ्ट स्किल के महत्ता को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ताकि विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में कोई समस्याएं न आए। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. आकाश सक्सेना ने इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव के बारे में प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों की उपयोगिता न सिर्फ अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने में है अपितु कौशल निर्माण में ये प्रशिक्षण एक प्रमुख घटक है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डा. तरुण, डा. कपिल व डा. दिव्या ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की हुई शुरुआत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन पीएचडी में पंजीकृत शोधार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र है। उन्होंने शोधार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग व गुरुजनों से अर्जित ज्ञान का उपयोग कर देश, समाज व मानव जाति के कल्याण हेतु कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने इस कार्यक्रम में शोधार्थियों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण देते हुए विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का उल्लेख किया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार● सौ. हकेंवि

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध कार्य दुनिया का सबसे गंभीर कार्य है और इसे करते हुए ईमानदारी, लगन और मेहनत आवश्यक है। विद्यार्थी केवल अध्ययन कर विभिन्न विषयों में डिग्री प्राप्त करता है, जबकि एक शोधार्थी नई खोज के माध्यम से नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करता है। आज के दीक्षारंभ कार्यक्रम में शोधार्थी उपस्थित हैं और उनकी जिम्मेदारी है कि वे गंभीरता के साथ अपने गुरुजनों के सहयोग से देश, समाज व मानव जाति के कल्याण के लिए शोध कार्य करें।

गुरु शिष्य का रिश्ता बेहद महत्त्वपूर्ण होता है और यही रिश्ता जीवन पर्यंत तक चलता है इसलिए अपने विद्यार्थी जीवन में मिलने वाले गुरुओं से निरंतर सीखने का प्रयास करें। जहां तक बात विवि के संबंध में है तो आपकी विभिन्न समस्याओं का निदान विभिन्न स्तर पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की परिस्थिति में आप सीधे मेरे सहयोगियों व मुझसे मिलकर अपनी बात रख सकते हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि आज का दिन उनके जीवन का बेहद महत्त्वपूर्ण दिन है। शोधार्थी आज से एक नई शुरुआत करने जा रहे हैं, जिसके लिए आवश्यक है कि वे विवि की कार्यप्रणाली से अवगत हो और वे उसके अनुरुप कार्य करें। कुलसचिव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली व उससे संबंधित विभिन्न प्रमुख अधिकारियों की जानकारी भी शोधार्थियों के समक्ष रखी।

एनएसएस दिवस के हकेंवि में कार्यक्रम

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार को एनएसएस दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनता विद्या मंदिर गणपत राय रसिवासीया कॉलेज, बरसी दादरी के प्राचार्य डॉ. यशवीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य हमारे युवाओं को समाज से जोड़ना है।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 26 September 2023
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में रोजगार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक सप्ताह का रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य विकास के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास में मदद मिलेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा नंदी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीष अरोड़ा प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भागीदारी रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. तरुण, डॉ. कपिल व डॉ. दिव्या ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 26 September 2023
https://epaper.dainiktribu

फार्मासिस्ट-डे पर हकेंवि में कार्यक्रम

- स्वास्थ्य सेवाओ को बेहतर बनाने में फार्मासिस्टों की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति के साथ विद्यार्थी एवं शिक्षक।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा सोमवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य में सुधार के लिए फार्मेसी और फार्मेसी पेशेवरों के मूल्य को उजागर करने के लिए दुनिया भर के फार्मासिस्टों द्वारा मनाया जाने वाला कार्यक्रम है। फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल फार्मासिस्ट (एफआईपी) और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) फार्मासिस्टों को इस दिन का उपयोग उन गतिविधियों को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो दुनिया के हर कोने में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में फार्मासिस्ट की भूमिका को बढ़ावा देते हैं। इस वर्ष पीसीआई ने लोगों को जागरूक करने और अंगदान के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से फार्मेसी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना-अंगदान महादान विषय पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अंग दान एक महान कार्य है। जो किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण दे सकता है जो किसी विशेष अंग या अंग की विफलता के कारण कई वर्षों से पीड़ित हैं। विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि यह कार्यक्रम अंगदान के लिए हस्ताक्षर करने के लिए वयस्कों की इच्छुक भागीदारी को बढ़ाता है।

हकेंवि में रोजगार व कौशल विकास कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक सप्ताह का रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य विकास के लिए उपयोगी बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास में मदद मिलेगी।

World Pharmacists Day Celebrated at CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : World Pharmacists Day was celebrated on 25th Sept. 2023 in the Department of Pharmaceutical Sciences at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The day marked as World Pharmacists Day globally falls on September 25 every year. It is an event celebrated by pharmacists across the world to highlight the value of the pharmacy and pharmacy professionals on improving health. Federation of International Pharmacists (FIP) and Pharmacy Council of India (PCI) encourages pharmacists to use this day to organize activities that promote and advocate for the role of the pharmacist in improving health in every corner of the world. This year PCI has decided to celebrate World Pharmacists Day on the theme "Pharmacy strengthening health systems-ANGDAAN MAHADAAN" with the objective to aware and convince the people to come forward for organ donation. Under this event, students, faculties and non-teaching staff of the University were motivated for organ donation. Vice-Chancellor Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar said Organ donation is a noble act that could give a ray of hope to another person's life who is suffering through many years because of the failure of a particular organ or organ. Prof. (Dr.) NeelamSangwan, Dean SIAS and Dean Research informed that this program increase the willing participation of adults to sign for organ donation. Dr. Dinesh Kumar, Head and convener of the event informed the participants about the contribution of pharmacist towards patient care in our society. Further, he said, each potent donor can save up to eight lives who are in need of organs such as the liver, kidneys, intestine, lungs, heart, and pancreas. In addition, it vastly improves the quality of life for countless more by donating bone, skin, heart valves, cornea etc.

हकेंवि में रोजगार व कौशल विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

आधुनिक युग में सफल होने के लिए सॉफ्ट स्किल की जानकारी अति आवश्यक: डॉ. सूरज आर्य

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाली छात्राएं विशेषज्ञ के साथ।

महेंद्रगढ़, 25 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा एक सप्ताह का रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भविष्य विकास के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास में मदद मिलेगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा नंदी फाऊंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मनोष अरोड़ा प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने व्यक्तिगत विकास के लिए बॉडी लैंग्वेज, व्यावसायिक संचार, धन प्रबंधन, व्यावसायिक नैतिकता, लक्ष्य निर्धारण आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, जीवन कौशल समूह, प्रस्तुति कौशल कार्यस्थल संघर्ष को संभालना, समूह चर्चा, साक्षात्कार कौशल हासिल करना आदि विषयों के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के उपनिदेशक डॉ. सूरज आर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भागीदारी की।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थी अपने विषय के ज्ञान में तो निपुणता हासिल कर लेते हैं लेकिन आज के आधुनिक युग में सफल होने के लिए सॉफ्ट स्किल के बारे में भी जानकारी होना अति आवश्यक है। इन्हीं सॉफ्ट स्किल के महत्ता को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कौशल निर्माण में प्रशिक्षण एक प्रमुख घटक

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक डॉ. आकाश सक्सेना ने इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों की उपयोगिता न सिर्फ अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने में है अपितु कौशल निर्माण में ये प्रशिक्षण एक प्रमुख घटक है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के उपनिदेशक डॉ. तरुण, डॉ. कपिल व डॉ. दिव्या ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंग दान एक महान कार्य: प्रो. टंकेश्वर

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति के साथ विद्यार्थी एवं शिक्षक।

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग द्वारा सोमवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

फैडरेशन ऑफ इंटरनैशनल फार्मासिस्ट (एफ.आई.पी.) और फार्मेसी काऊंसिल ऑफ इंडिया (पी.सी.आई.) फार्मासिस्टों को इस दिन का उपयोग उन गतिविधियों को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो दुनिया के हर कोने में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में फार्मासिस्ट की भूमिका को बढ़ावा देते हैं।

इस वर्ष पी.सी.आई. ने लोगों को जागरूक करने और अंगदान के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से 'फार्मेसी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना-अंगदान महादान' विषय पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अंग दान एक महान कार्य है जो किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण दे सकता है जो किसी विशेष अंग या अंग की विफलता के कारण कई वर्षों से पीड़ित हैं।

विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि यह कार्यक्रम अंगदान के लिए हस्ताक्षर करने के लिए वयस्कों की इच्छुक भागीदारी को बढ़ाता है।

कार्यक्रम के संयोजक और विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार ने प्रतिभागियों को हमारे समाज में रोगी देखभाल के प्रति फार्मासिस्ट के योगदान के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 200 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने अंगदान हेतु पंजीकरण किया।

पत्रकार बनने के लिए दृष्टिकोण का वैश्विक होना जरूरी : नारायणन

संवाद न्यूज एजेंसी

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग कौशल व तकनीक विषय पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग कौशल एवं तकनीक जी 20 सम्मेलन के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जर्मनी के एआरडी टेलीविजन के दक्षिण एशिया के ब्यूरो चीफ पीएन नारायणन और अरब समाचार के देश से पत्रकार संजय कुमार ने कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का पत्रकार बनने व अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रकारिता करने के बारे में प्रशिक्षित किया। दक्षिण एशिया में बंग्लादेश, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल, भूटान सहित अनेक देशों को पिछले 25 वर्षों से कवर कर रहे पत्रकारों ने विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के बारे में भी चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में अंतरराष्ट्रीय विषयों को सोचने व समझने की क्षमता विकसित करती हैं। पीएन नारायणन ने कहा कि जी 20 सम्मेलन को चीन, रूस, अमेरिका सहित यूरोप व दक्षिण एशिया सहित दुनिया के 3000 से अधिक पत्रकारों ने कवर किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न केवल पत्रकारों के लिए बल्कि आने वाले पत्रकारों की पीढ़ी के लिए भी सीखने के अवसर होते हैं।

उन्होंने प्रिंट मीडिया को एक मल्टीमीडिया परिदृश्य के रूप में वर्णित किया जहां एक ही समय में कई काम करने की जरूरत होती है। विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने दोनों वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि जी 20 सम्मेलन पत्रकारिता की दृष्टि से एक बड़ी घटना एवं कहानी थी।

वैश्विक मीडिया ने इस कहानी को कैसे रिपोर्ट किया इसे पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थी समझ सकें। इस बात को ध्यान में रखते हुए ही एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक आलेख नायक ने सभी वक्ताओं का आभार जताया। इस मौके पर डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी कनेक्ट का दिखाया प्रसारण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जी-20 की सफलता पूरे देश की सफलता है। इस आयोजन ने भारत को जिस ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, उसे देखकर दुनिया चकित है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन ने केवल जनभागीदारी का अप्रतिम उदाहरण है वरन विविध विषयों जैसे समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान में शोध के नए अवसर प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में दिखाए गए सीधे प्रसारण को विश्वविद्यालय के 250 से अधिक शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने देखा। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल उपस्थित रहे। संवाद

हकेवि में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट का हुआ सीधा प्रसारण

चेतना ब्यूरो।
महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जी-20 की सफलता पूरे देश की सफलता है। इस आयोजन ने भारत को जिस ऊँचाई पर पहुँचा दिया है, उसे देखकर दुनिया चकित है। युवा ही वह शक्ति है जो इस तरह के आयोजनों की सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बीते 30 दिनों के भीतर भारत के विकास में योगदान देने वाली विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख भी अपने संबोधन में किया और स्वच्छाग्रह व लोकल फोर वोकल की सफलता हेतु युवा पीढ़ी से उनका सहयोग मांगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल ऑफिसर प्रो. गौरव सिंह व शिक्षा पीठ के द्वारा आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन ने केवल जनभागीदारी का अप्रतिम उदाहरण है वरन विविध विषयों जैसे समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान में शोध के नए अवसर प्रदान करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत उद्बोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही हर बार की तरह इस बार भी युवा पीढ़ी उनके आह्वान में साझेदार बनेगी और इस मुहिम में विश्वविद्यालयों सहित शिक्षण संस्थानों का योगदान उल्लेखनीय रहेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में दिखाए गए सीधे प्रसारण को विश्वविद्यालय के 250 से अधिक शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने देखा और इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल आदि उपस्थित रहे।

'अंतरराष्ट्रीय स्तर का पत्रकार बनने के लिए दृष्टिकोण का वैश्विक होना जरूरी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग कौशल एवं तकनीक जी 20 सम्मेलन के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जर्मनी के एआरडी टेलिविजन के दक्षिण एशिया के ब्यूरो चीफ पीएन नारायणन एवं अरब समाचार के भारत से पत्रकार संजय कुमार ने कार्यशाला को संबोधित किया व उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का पत्रकार बनने व अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रकारिता करने के बारे में प्रशिक्षित किया।

दक्षिण एशिया में बंग्लादेश, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल, भूटान सहित कई अन्य देशों को पिछले 25 वर्षों से कवर कर रहे पत्रकारों ने विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में अंतरराष्ट्रीय विषयों को सोचने व समझने की क्षमता विकसित करती हैं। पीएम नारायणन ने कहा कि जी 20 सम्मेलन को चीन, रूस, अमेरिका सहित यूरोप व दक्षिण एशिया सहित दुनिया के 3000 से अधिक पत्रकारों ने कवर किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न केवल पत्रकारों के लिए बल्कि आने वाले पत्रकारों की पीढ़ी के लिए भी सीखने के अवसर होते हैं। उन्होंने कहा कि असली पत्रकार वही है जो अपनी कहानी को संदर्भ प्रदान कर सके। कहानी ऐसी होनी चाहिए जिसका एक शुरुआत, मध्य और अंत हो। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे मोबाइल व मल्टीमीडिया को अपने साथी बनाएं।

जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट का हुआ सीधा प्रसारण

इस तरह के आयोजन में महत्वपूर्ण होता है युवाओं की भूमिका

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जी-20 की सफलता पूरे देश की सफलता है। इस आयोजन ने भारत को जिस ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, उसे देखकर दुनिया चकित है। युवा ही वह शक्ति है जो इस तरह के आयोजनों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। प्रधानमंत्री ने बीते 30 दिनों के भीतर भारत के विकास में योगदान देने वाली विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख भी अपने संबोधन में किया और स्वच्छाग्रह व लोकल फोर वोकल की सफलता के लिए युवा पीढ़ी से उनका सहयोग मांगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल आफिसर प्रो. गौरव सिंह व शिक्षा पीठ के द्वारा आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन ने केवल जनभागीदारी का अप्रतिम उदाहरण है वरन विविध विषयों जैसे समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान में शोध के नए अवसर प्रदान करता है।

हकेंवि में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट का सीधा प्रसारण देखते कुलपति ● सौ. प्रवक्ता

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत उद्बोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही हर बार की तरह इस बार भी युवा पीढ़ी उनके आह्वान में साझेदार बनेगी और इस मुहिम में विश्वविद्यालयों सहित शिक्षण संस्थानों का योगदान उल्लेखनीय रहेगा।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में दिखाए गए सीधे प्रसारण को विश्वविद्यालय के 250 से अधिक शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने देखा और इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल आदि उपस्थित रहे।

'अंतरराष्ट्रीय स्तर का पत्रकार बनने के लिए दृष्टिकोण का वैश्विक होना जरूरी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग कौशल एवं तकनीक जी 20 सम्मेलन के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जर्मनी के एआरडी टेलिविजन के दक्षिण एशिया के ब्यूरो चीफ पीएन नारायणन एवं अरब समाचार के भारत से पत्रकार संजय कुमार ने कार्यशाला को संबोधित किया व उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का पत्रकार बनने व अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रकारिता करने के बारे में प्रशिक्षित किया।

दक्षिण एशिया में बंग्लादेश, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल, भूटान सहित कई अन्य देशों को पिछले 25 वर्षों से कवर कर रहे पत्रकारों ने विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में अंतरराष्ट्रीय विषयों को सोचने व समझने की क्षमता विकसित करती हैं। पीएम नारायणन ने कहा कि जी 20 सम्मेलन को चीन, रूस, अमेरिका सहित यूरोप व दक्षिण एशिया सहित दुनिया के 3000 से अधिक पत्रकारों ने कवर किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन न केवल पत्रकारों के लिए बल्कि आने वाले पत्रकारों की पीढ़ी के लिए भी सीखने के अवसर होते हैं। उन्होंने कहा कि असली पत्रकार वही है जो अपनी कहानी को संदर्भ प्रदान कर सके। कहानी ऐसी होनी चाहिए जिसका एक शुरुआत, मध्य और अंत हो। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे मोबाइल व मल्टीमीडिया को अपने साथी बनाएं।

हकेवि में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट का हुआ सीधा प्रसारण

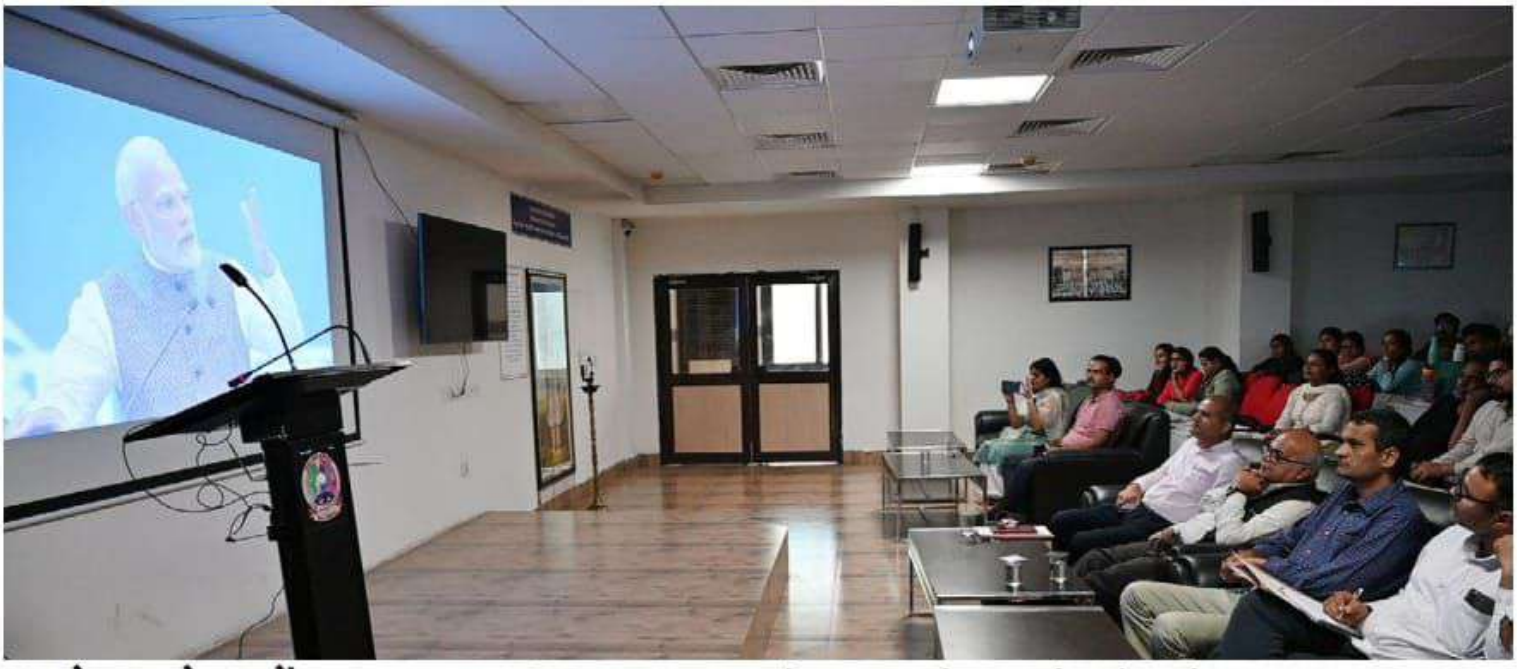

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जी-20 की सफलता पूरे देश की सफलता है। इस आयोजन ने भारत को जिस ऊँचाई पर पहुँचा दिया है, उसे देखकर दुनिया चकित है। युवा ही वह शक्ति है जो इस तरह के आयोजनों की सफलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बीते 30 दिनों के भीतर भारत के विकास में योगदान देने वाली विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख भी अपने संबोधन में किया और स्वच्छाग्रह व लोकल फोर वोकल की सफलता हेतु युवा पीढ़ी से उनका सहयोग मांगा।

हरियाणाकेंद्रीय विश्वविद्यालय में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट के नोडल ऑफिसर प्रो. गौरव सिंह व शिक्षा पीठ के द्वारा आयोजित जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन ने केवल जनभागीदारी का अप्रतिम उदाहरण है वरन विविध विषयों जैसे समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान में शोध के नए अवसर प्रदान करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत उद्बोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही हर बार की तरह इस बार भी युवा पीढ़ी उनके आह्वान में साझेदार बनेगी और इस मुहिम में विश्वविद्यालयों सहित शिक्षण संस्थानों का योगदान उल्लेखनीय रहेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में दिखाए गए सीधे प्रसारण को विश्वविद्यालय के 250 से अधिक शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने देखा और इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट का सीधा प्रसारण

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इतना बड़ा आयोजन न केवल जनभागीदारी का अप्रतिम उदाहरण है वरन विविध विषयों जैसे समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान में शोध के नए अवसर प्रदान करता है।विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में दिखाए गए सीधे प्रसारण को विश्वविद्यालय के 250 से अधिक शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने देखा और इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. दिनेश चहल आदि उपस्थित रहे।

अतंर्राष्ट्रीय स्तर का पत्रकार बनने के लिए दृष्टिकोण का वैश्विक होना जरूरी

महेंद्रगढ़, 26 सितम्बर (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टिंग कौशल एवं तकनीक जी 20 सम्मेलन के संदर्भ में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जर्मनी के ए.आर.डी. टैलीविजन के दक्षिण एशिया के ब्यूरो चीफ पी.एन. नारायणन एवं अरब समाचार के भारत से पत्रकार संजय कुमार ने कार्यशाला को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में अंतर्राष्ट्रीय विषयों को सोचने व समझने की क्षमता विकसित करती है।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पी.एम. नारायणन ने कहा कि जी 20 सम्मेलन को चीन, रूस, अमेरिका सहित यूरोप व दक्षिण एशिया सहित दुनिया के 3000 से अधिक पत्रकारों ने कवर किया।

उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन न केवल पत्रकारों के लिए बल्कि आने वाले पत्रकारों की पीढ़ी के लिए भी सीखने के अवसर होते हैं। उन्होंने कहा कि असली पत्रकार वही है जो अपनी कहानी को संदर्भ प्रदान कर सके।उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे मोबाइल व मल्टी-मीडिया को अपने साथी बनाएं।

कार्यक्रम के संयोजक आलेख नायक ने सभी वक्ताओं का आभार जताया। इस मौके पर डा. पंकज कुमार, डा. सुरेंद्र, डा. भारती बत्रा सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में फिल्म अभिनय कार्यशाला का समापन

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मे भारतीय फिल्म और टेलिविजन संस्थान पुणे व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिवसीय फिल्म अभिनय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शामिल होकर विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय निरंतर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन करता रहता है और हम सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम संयोजक डॉ. पंकज कुमार को बधाई देते हैं। उम्मीद यह है कि जल्दी ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी फिल्मों में कार्य करते हुए नजर आएंगे। विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, डॉ. भारती बत्रा, डॉ. आलेख, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज कर्ण सिंह उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ समापन

चेतना ब्यूरो।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में चल रहे तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए यह तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम सोमवार को शुरू हुआ था जिसमें पीएच.डी., स्नातकोत्तर, स्नातक व डिप्लोमा कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली व उपलब्ध संसाधनों में बारे में समझा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों व सुविधाओं को सुदपयोग करने और शिक्षण अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में विद्यार्थियो के लिए दीक्षारंभ को एक नई शुरूआत बताया और कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस यात्रा में विद्यार्थियों के लिए सहयोगी साबित होगा।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम के दौरान में विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययन पीठों, विभागों व पाठ्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध अनुसंधान सुविधाओं तथा उनकी कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था से विद्यार्थियों को रूबरू करवाया।विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. नंद किशोर ने अनुशासनात्मक नियमों के साथ विभिन्न कानूनी प्रावधानों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। प्रोवोस्ट प्रो. पायल कंवर चंदेल व प्रो. बीर पाल सिंह ने छात्रावास सुविधाओं, उनके नियमों व मेडिकल सुविधाओं से तथा डॉ. संतोष सी.एच. ने विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली तथा सहायक कुलसचिव सुंदर लाल ने विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

दस दिवसीय फिल्म अभिनय कार्यशाला का समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एशिया के सबसे बड़े भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिवसीय फिल्म अभिनय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने शामिल होकर विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। इस कार्यशाला में फिल्म संस्थान पुणे से आए संजय मोरे के द्वारा विद्यार्थियों को अभिनय के बारे में बारीकी से जानकारी दी व उनको अभिनय सिखाया। लेकिन अभिनय क्रिया अपने कौशल पर आधारित होती है। हम अपने कौशल के माध्यम से ही अभिनय को प्रभावी बनाकर दूसरो को अपने साथ जोड़ पाते हैं । हम फिल्मों में अभिनेता की जो क्रिया देखते हैं, उसके पीछे काफी मेहनत होती है। अभिनय के लिए निरंतर अभ्यास करना बेहद जरूरी है। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों में काफी कौशल है केवल उन्हें रास्ता दिखाने की आवश्यकता है।

निज भाषा प्रेम से ही होगी देश की प्रगति : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इस पर अभिमान है। हिंदी भारत के स्वाभिमान की परिचायक है। आज समूचे विश्व में हिंदी भाषा को एक प्रमुख भाषा के रूप में पहचाना जा रहा है। निज भाषा के प्रति प्रेम का यही भाव विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा की बात करती है। यह प्रमाणित हो चुका है कि हम जिस भाषा में सोचते हैं, उस भाषा में अध्ययन, अध्यापन व शोध सदैव प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। हिंदी पखवाडा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए आयोजन में सम्मिलित गोद लिए गांवों के विद्यालयों के विद्यार्थियों व शिक्षकों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व विद्यार्थियों का विशेष रूप से इस आयोजन में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ कुलपति • सौ.हकेंवि प्रवक्ता

इनमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में छठीं से आठवीं कक्षा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धोली की प्रिया द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाट का निशांत तृतीय पुरस्कार दिया गया। नौवीं से बारहवीं वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली का विनी प्रथम; व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली की रचना तृतीय स्थान पर रही। विवि के छात्रों व शोधार्थियों के आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में एमएड की प्रिया सैनी ने प्रथम, एमए हिंदी के सौरभ ने द्वितीय तथा पीएचडी हिंदी कर रितांजली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विवि के शिक्षकों के लिए आयोजित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में योग विभाग के सहायक आचार्य डा. अजय पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रश्नोतरी व पत्र लेखन प्रतियोगिता में सहायक रामवीर गुर्जर ने प्रथम, निजी सचिव पवन कुमार ने द्वितीय तथा अवर श्रेणी लिपिक प्रीतम कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

हकेंवि में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थी को विश्व पर्यटन दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित उद्योग न केवल आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि यह समाज को सामाजिक दृष्टि से भी उठाने में सहारा प्रदान करते हैं। महेंद्रगढ़ में भी पर्यटन अपार संभावनाएं मौजूद है।

निज भाषा प्रेम से ही होगी प्रगति : टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। हप्र

महेंद्रगढ़, 27 सितंबर (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इस पर अभिमान है। हिंदी भारत के स्वाभिमान की परिचायक है। आज समूचे विश्व में हिंदी भाषा को एक प्रमुख भाषा के रूप में पहचाना जा रहा है। निज भाषा के प्रति प्रेम का यही भाव विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा की बात करती है। इसलिए हिंदी भाषा से प्रेम भारत के विकास में सहयोगी है। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय में 14 से 27 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात हिंदी पखवाडा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह, निर्णायक मंडल के सदस्य नंद किशोर, नवीन, अजयपाल सहित देवेंद्र राजपूत, अमित मनोज, अमित यादव, दिनेश चौहान, कुलदीप सिंह चौहान, अमित कुमार मौजूद रहे।

हकेंवि में दस दिवसीय फिल्म अभिनय कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थी को प्रशंसा पत्र भेंट करते कुलपति टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एशिया के सबसे बड़े भारतीय फिल्म और टेलिविजन संस्थान पुणे व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 10 दिवसीय फिल्म अभिनय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में फिल्म संस्थान पुणे से आए संजय मोरे के द्वारा विद्यार्थियों को अभिनय के बारे में बारीकी से जानकारी दी व उनको अभिनय सिखाया। उन्होंने कहा कि अभिनय के क्षेत्र में कार्य करने के लिए अपार संभावनाएं हैं लेकिन अभिनय क्रिया अपने कौशल पर आधारित होती है। हम अपने कौशल के माध्यम से ही अभिनय को प्रभावी बनाकर दूसरो को अपने साथ जोड़ पाते हैं। हम फिल्मों में अभिनेता की जो क्रिया देखते है उसके पीछे काफी मेहनत होती है। अभिनय के लिए निरंतर अभ्यास करना बेहद जरूरी है। कुलपति टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों में काफी कौशल है केवल उन्हें रास्ता दिखाने की आवश्यकता है। हरियाणा के बहुत सारे अभिनेताओ ने फिल्मी जगत में जाकर प्रसिद्धि हासिल की है।

हिंदी पखवाड़े का समापन

निज भाषा प्रेम से ही होगी प्रगति: प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति ने किया सम्मानित

विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 27 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हिंदी हमारी राजभाषा है और हमें इस पर अभिमान है। हिंदी भारत के स्वाभिमान की परिचायक है।

आज समूचे विश्व में हिंदी भाषा को एक प्रमुख भाषा के रूप में पहचाना जा रहा है। निज भाषा के प्रति प्रेम का यही भाव विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी मातृभाषा में शिक्षा की बात करती है।

यह प्रमाणित हो चुका है कि हम जिस भाषा में सोचते हैं, उस भाषा में अध्ययन, अध्यापन व शोध सदैव प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है, इसलिए हिंदी भाषा से प्रेम भारत के विकास में सहयोगी है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय में 14 से 27 सितम्बर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2023 के समापन की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

इसके पश्चात हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए आयोजन में सम्मिलित गोद लिए गांवों के विद्यालयों के विद्यार्थियों व शिक्षकों, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व विद्यार्थियों का विशेष रूप से इस आयोजन में सहभागिता हेतु आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने उद्बोधन में रचनात्मकता को बढ़ाने, मौलिक अनुसंधान व भारत के विकास हेतु निज भाषा के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया और कहा कि आज के समय में तकनीक की मदद से अपनी ही भाषा में अध्ययन, अध्यापन व शोध सहज रूप से कर सकते हैं।

उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए सभी आयोजकों व प्रतिभागियों का बधाई दी और कहा कि अवश्य ही इस कार्यक्रम के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति मिलेगी।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कीर्ति व प्रिया सैनी प्रथम

इनमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में छठी से 8वीं कक्षा वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खुडाना की कीर्ति प्रथम, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धोली की प्रिया द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट का निशांत तृतीय पुरस्कार दिया गया।

9वीं से 12वीं वर्ग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली का विनी प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालड़ा बांस की सोमवती द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाली की रचना तृतीय स्थान पर रही।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में एम.एड. की प्रिया सैनी ने प्रथम, एम.ए. हिंदी के सौरभ ने द्वितीय तथा पीएच.डी. हिंदी कर रही रितांजली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए आयोजित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी व पत्र लेखन प्रतियोगिता में सहायक रामवीर गुर्जर ने प्रथम, निजी सचिव पवन कुमार ने द्वितीय तथा अवर श्रेणी लिपिक प्रीतम कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

10 दिवसीय रचना पोस्टर प्रदर्शनी का समापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय ह्यरचना पोस्टर प्रदर्शनीह्व का समापन दिनांक 27 सितंबर को सफलतापूर्वक हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्य तिथि (18 सितंबर) पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था। प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है।

इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं। प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निमार्ता रचनाकारों में से एक हैं। प्रायः वे ह्यशिवशम्भु के चिट्ठेह्व के रचनाकार के रूप में अधिक जाने जाते हैं, लेकिन वे उतने ही बेहतर कवि व बाल-कवि भी हैं। उनकी रचनाओं में हमें उनके ह्यकहनहह्व की अनोखी शैली के दर्शन होते हैं। ह्यँस का स्वर्ग, ह्यपॉलिटिकल होली, रेलगाड़ी, गुड़ियों की पाठशाला, हिंदी की उन्नति, आशीर्वाद, टेसूः स्वागत,

पीछे मत फेंकिए जैसी रचनाओं से हम उनके विविध स्वरों से परिचित होते हैं। गुप्त जी एक निर्भीक और दबंग पत्रकार रहे हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन उनके साहित्यिक महत्त्व को रेखांकित करता है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस हेतु अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नन्द किशोर, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, अमित यादव, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह एवं अन्य शिक्षणगण, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता, प्रतिभागी व शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'मीट द ऑथर' का उद्देश्य छात्रों में हो अर्थपूर्ण संवाद

हकेंवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने किया कार्यक्रम का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शुक्रवार को मीट द ऑथर कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच एक अर्थपूर्ण संवाद का अवसर उपलब्ध कराना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम में देश नेहसता, प्रो. केएस चलम, डॉ. टी लॉंगकोई, डॉ. रीमा, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. तंवी, डॉ. आरती यादव, डॉ. रेण यादव, डॉ. रेणु, डॉ. युधबीर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों सहित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। मंच संचालन इतिहास विभाग के डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया।

हकेंवि में कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. केएस चलम। स्रोत : विवि

हकेंवि में दस दिवसीय रचना पोस्टर प्रदर्शनी का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय रचना पोस्टर प्रदर्शनी का समापन हुआ। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है। अमित, मनोज ने बताया कि बालमुकुंद गुप्त हिंदी गद्य के निर्माता रचनाकारों में से एक हैं। संवाद

साहित्यकार गुप्त की कविताओं व पत्रों का कलात्मक व सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया

पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों व उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए आगंतुक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्यतिथि पर हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रो. अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था। प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नन्द किशोर, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता, प्रतिभागी व शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद प्रो. सुषमा यादव शिक्षकों के साथ।

रचना पोस्टर प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए लाभदायक : प्रो. सुषमा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन सफलतापूर्वक हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्य तिथि पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था।

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद प्रो. सुषमा यादव शिक्षकों के साथ • सौ. हकेंवि प्रवक्ता

प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है।

इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं. प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निर्माता रचनाकारों में से एक हैं। उनकी रचनाओं में हमें उनके 'कहन' की अनोखी शैली के दर्शन होते हैं. 'भैंस का स्वर्ग', 'पॉलिटिकल होली', 'रेलगाड़ी', 'गुड़ियों की पाठशाला', 'हिंदी की उन्नति', 'आशीर्वाद', 'टेसू: स्वागत', 'पीछे मत फेंकिए' जैसी रचनाओं से हम उनके विविध स्वरों से परिचित होते हैं।

'मीट द आथर' कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शुक्रवार को 'मीट द आथर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। विवि में मीट द आथर कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान मे प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखकों से सीधा संबंध स्थापित कर विद्यार्थियों के बीच एक अर्थपूर्ण संवाद का अवसर उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य के अंतर्गत शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम मे भारत के जानेमाने शिक्षाविद व अर्थशास्त्री प्रो. केएस चलम, निदेशक, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय संस्थान, हैदराबाद एवं भूतपूर्व कुलपति, द्रविडियन विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व सदस्य संघ लोक सेवा आयोग, ने अपनी पुस्तक 'पोलिटिकल इंकानमी आफ कास्ट इन इंडिया' पर व्याख्यान दिया एवं परिचर्चा में भी भागीदारी की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सवाल जवाब सत्र में अपनी विभिन्न भी जिज्ञासाओं को विशेषज्ञ के समक्ष रखने का अवसर भी मिला। कार्यक्रम में प्रो. अंतरेश, डा. स्नेहसता, डा. राजीव कुमार सिंह, डा. तन्वी, डा. आरती यादव, डा. रेण यादव, डा. रेणु, डा. युधबीर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों सहित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

हकेवि में 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम आयोजित

- इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने किया आयोजन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शुक्रवार को 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने संदेश के माध्यम से आयोजकों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में मीट द ऑथर कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान मे प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखकों से सीधा संबंध स्थापित कर विद्यार्थियों के बीच एक अर्थपूर्ण संवाद का अवसर उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य के अंतर्गत शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम मे भारत के जानेमाने शिक्षाविद व अर्थशास्त्री प्रो. के. एस. चलम, निदेशक, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय संस्थान, हैदराबाद एवं भूतपूर्व कुलपति, द्रविडियन विश्वविद्यालय एवं भूतपूर्व सदस्य संघ लोक सेवा आयोग, ने अपनी पुस्तक 'पोलिटिकल ईकानमी ऑफ कास्ट इन इंडिया' पर व्याख्यान दिया एवं परिचर्चा में भी भागीदारी की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सवाल जवाब सत्र में अपनी विभिन्न भी जिज्ञासाओं को विशेषज्ञ के समक्ष रखने का अवसर भी मिला। कार्यक्रम में प्रो. अंतरेश, डॉ स्नेहसता, डॉ टी. लॉंगकोई, डॉ रीमा, डॉ राजीव कुमार सिंह, डॉ तन्वी, डॉ आरती यादव, डॉ रेण यादव, डॉ रेणु, डॉ युधबीर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों सहित विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। मंच संचालन इतिहास विभाग के डॉ. अभिरंजन कुमार ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ नरेंद्र परमार ने स्मृति चिह्न भेंट कर प्रो. चलम का स्वागत किया। डॉ कुलभूषण मिश्रा ने प्रो. चलम का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ईश्वर परिडा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेवि में दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता एवं साहित्य के उन्नायक बालमुकुंद गुप्त के रचना-कर्म पर आधारित दस दिवसीय 'रचना पोस्टर प्रदर्शनी' का समापन दिनांक 27 सितंबर को सफलतापूर्वक हो गया। ज्ञातव्य है कि बालमुकुंद गुप्त पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन बालमुकुन्द गुप्त की पुण्य तिथि (18 सितंबर) पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी पोस्टर हिंदी विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर अमित मनोज द्वारा तैयार किए गए थे। इन पोस्टरों में बालमुकुंद गुप्त के जीवन एवं सृजन के साथ उनकी कविताओं, संपादकीयों, निबंधों, बाल-कविताओं एवं पत्रों आदि का कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से चित्रण किया गया था। प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर सहकर्मियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँवों के स्कूलों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा देखा व सराहा गया। अनेक आगंतुक प्रदर्शनी के माध्यम से पहली बार बालमुकुंद गुप्त के लेखन सरोकारों और उनके शिल्प सौंदर्य से परिचित हुए। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि बालमुकुंद गुप्त जैसे रचनाकार पर इस प्रकार की प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए लाभदायक है। इस प्रकार के आयोजन से हम न केवल अपने लेखकों को याद करते हैं, अपितु उनके लेखन से हम निरंतर समृद्ध होते हैं. प्रदर्शनी के बारे में अमित मनोज ने बताया कि बालमुकुन्द गुप्त हिंदी गद्य के निर्माता रचनाकारों में से एक हैं। प्रायः वे 'शिवशम्भु के चिट्ठे' के रचनाकार के रूप में अधिक जाने जाते हैं, लेकिन वे उतने ही बेहतर कवि व बाल-कवि भी हैं। उनकी रचनाओं में हमें उनके 'कहन' की अनोखी शैली के दर्शन होते हैं. 'भैंस का स्वर्ग', 'पॉलिटिकल होली', 'रेलगाड़ी', 'गुड़ियों की पाठशाला', 'हिंदी की उन्नति', 'आशीर्वाद', 'टेसूः स्वागत', 'पीछे मत फेंकिए' जैसी रचनाओं से हम उनके विविध स्वरों से परिचित होते हैं। गुप्त जी एक निर्भीक और दबंग पत्रकार रहे हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन उनके साहित्यिक महत्त्व को रेखांकित करता है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस हेतु अमित मनोज का विशेष तौर से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. नन्द किशोर, डॉ. देवेन्द्र सिंह राजपूत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, अमित यादव, हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह एवं अन्य शिक्षणगण, हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्य, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता, प्रतिभागी व शोधार्थी-विद्यार्थी उपस्थित रहे।